khabardrishtikon@gmail.com | https://khabardrishtikon.com/ | https://l.facebook.com | khabardrishtikon.com

KD NEWS सच का सामना

लखनऊ

सोमवार – 26 जून 2023

वर्ष : 02 – अंक : 245

पृष्ठ-8 मूल्य – 1:00 रूपये

आरएनआई : UPHIN/2021/82210

हिन्दी दैनिक

खबर दृष्टिकोण

समाचार ही नहीं, विश्वास भी...

2 सहकारिता मंत्री ने उ.प्र. कोऑपरेटिव बैंक मुख्यालय ...

3 बालू अड्डा से बहुखंडी मंत्री आवास बटलर पैलेस...

5 पंद्रह दिवसीय मिशन शक्ति अभियान के तहत...

5 दिनों तक खूब होगी मॉनसून वाली बारिश, बिहार-यूपी में भी बरसेंगे बादल

नई दिल्ली। देश के अधिकांश हिस्सों में मॉनसून ने दस्तक दे दिया है। मौसम विज्ञान विभाग ने अपनी ताजा रिपोर्ट (26 जून) में कहा है कि गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में अगले दो दिनों के दौरान मॉनसून आगे बढ़ेगा। आईएमडी के मुताबिक, अगले पांच दिनों तक देश के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश और आंधी-तूफान के आसार बन रहे हैं। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है। आईएमडी ने कहा है कि ओडिशा में 26 जून को, असम और मेघालय में 28 र 29 जून को और अरुणाचल प्रदेश में 29 जून को मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि राजस्थान में 26 से लेकर 29 जून तक भारी बारिश की संभावना है। इसी दौरान उत्तराखंड में भी भारी बारिश के आसार हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में भी आज बारिश का पूर्वानुमान है। इन इलाकों में अगले 24 घंटे में मूसलाधार बारिश की संभावना है। आईएमडी ने कहा है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश की संभावना बन रही है। केरल में भी 26 से 29 जून तक बादल बर सकते हैं।

बिहार में कब होगी बारिश?

बिहार में मानसून की बेरुखी के बीच बारिश की छिटपुट गतिविधियां बनी हुई हैं। यही वजह है कि मानसून के आगमन के बाद भी अधिकतर जिलों में बारिश की काफी कमी है। बादलों से अधिकतम तापमान में कमी से लोगों ने थोड़ी राहत की सांस ली है। पुरवा के बावजूद बादलों के जमकर नहीं बरसने से सबसे ज्यादा किसानों की चिंता बढ़ी है। मौसम विभाग ने सोमवार को भी कुछ जिलों में छिटपुट बारिश के आसार जताए हैं। राज्य के अधिकांश हिस्से में गर्मी व उमस की स्थिति बनी रहेगी।

भारत में क्या चल रहा है? अमेरिका और मिस्र से लौटते ही पीएम मोदी ने जेपी नड्डा से पूछा

मनोज तिवारी ने कहा, उन्होंने नड्डा जी से पूछा कि यहां कैसा चल रहा है? नड्डा जी ने उन्हें बताया कि पार्टी के नेता उनकी सरकार के 9 वर्षों के रिपोर्ट कार्ड के साथ लोगों तक पहुंच रहे हैं और देश खुश है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका और मिस्र की पांच दिवसीय यात्रा के बाद रविवार देर रात स्वदेश लौट आए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री की स्वदेश वापसी पर हवाई अड्डे के बाहर उनका जोरदार स्वागत किया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के अलावा दिल्ली से भाजपा के सभी सांसद इस अवसर पर मौजूद थे। हवाईअड्डे पर उनका स्वागत करने गए पार्टी नेताओं ने बताया कि उतरने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जेपी नड्डा और अन्य भाजपा नेताओं से पूछा कि देश में क्या हो रहा है। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, उन्होंने नड्डा जी से पूछा कि यहां कैसा चल रहा है? नड्डा जी ने उन्हें बताया कि पार्टी के नेता उनकी सरकार के 9 वर्षों के रिपोर्ट कार्ड के साथ लोगों तक पहुंच रहे हैं और देश खुश है। वहीं, भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पूछा कि पार्टी का जन संपर्क कार्यक्रम कैसा चल रहा है। उन्होंने कहा, हमने उन्हें इसके बारे में अवगत कराया।

आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनकी पत्नी जिल बाइडेन के निमंत्रण पर अमेरिका की यात्रा पर थे। अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ कई मुद्दों पर बातचीत की और अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। इसके बाद वह अमेरिका की राजकीय यात्रा संपन्न कर शनिवार को मिस्र की राजधानी काहिरा पहुंचे थे।

राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी के निमंत्रण पर मिस्र की उनकी दो दिवसीय राजकीय यात्रा 1997 के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति अल-सीसी के साथ बातचीत की और व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा संबंधों और लोगों से लोगों के बीच संबंधों में सुधार पर ध्यान देने के साथ दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों देशों ने अपने रिश्ते को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया।

राष्ट्रपति अल-सीसी ने मोदी को मिस्र के सर्वोच्च राजकीय सम्मान ऑर्डर ऑफ द नाइल पुरस्कार से सम्मानित किया। यह प्रधानमंत्री मोदी को मिला 13वां सर्वोच्च राजकीय सम्मान है।

पीएम मोदी ने 20 जून को अपनी पांच दिवसीय यात्रा शुरू की थी। उन्होंने 21-24 जून तक अमेरिका का दौरा किया। उनकी अमेरिका यात्रा न्यूयॉर्क से शुरू हुई, जहां उन्होंने 21 जून को नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक ऐतिहासिक कार्यक्रम का नेतृत्व किया। बाद में, वाशिंगटन डीसी में राष्ट्रपति बाइडन द्वारा व्हाइट हाउस में उनका भव्य स्वागत किया गया था।

आफत की बारिश : केदारनाथ यात्रा रोकी, बदरीनाथ हाईवे बहा; भारी बरसात के बाद 46 सड़कें अवरुद्ध

चमोली । उत्तराखंड में भारी बारिश से आफत हो गई है। बरसात के बाद केदारनाथ यात्रा पर रोक लगा दी गई है। जबकि, बदरीनाथ हाईवे बहने से भी यात्री फंसे थे। बरसात की वजह से उत्तराखंड में 46 सड़कें अवरुद्ध हो गईं, जिससे उत्तराखंड चार धाम यात्रा पर भी यात्रियों को परेशानी हुई। उतराखंड मौसम पूर्वनुमान में अलर्ट जारी है। केदारनाथ में भारी बारिश के चलते तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने यात्रियों से सुरक्षित पड़ावों पर रहने की अपील की। साथ ही सोनप्रयाग और गौरीकुंड से भी 11 बजे बाद किसी यात्री को केदारनाथ जाने की अनुमति नहीं दी गई। केदारनाथ हाईवे पर सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच एक शटल सेवा वाहन के ऊपर पहाड़ी से पत्थर गिरने से चालक की मौत हो गई। पुरोला में आकाशीय बिजली गिरने से एक की मौत हो गई। वहीं,ऋषिकेश में सोमवार तक रॉफ्टिंग पर रोक लगा दी गई है। राज्य में 46 सड़कों के बाधित होने से लोगों को भारी परेशानियों को सामना करना पड़ रहा है। केदारनाथ में रविवार को सुबह से ही जोरदार बारिश हो रही थी। बारिश के चलते गौरीकुंड में गदेरे का पानी नगर के बीचों बीच आ गया।

जबकि केदारनाथ पैदल मार्ग पर छौड़ी गदेरे में भारी मात्रा में पानी आने से यहां काफी समय तक यात्रियों की आवाजाही नहीं हो सकी। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि भारी बारिश को देखते हुए यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर रविवार सुबह 11 बजे बाद सोनप्रयाग से आगे जाने की अनुमति नहीं दी गई। गौरीकुंड से भी यात्रियों को 11 बजे बाद आगे नहीं जाने दिया गया। सभी को मौसम को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित स्थानों पर ही रुकने को कहा गया। बताया कि जैसे ही उत्तराखंड में मौसम खुलेगा तो यात्रियों को आने जाने की अनुमति दे दी जाएगी। तीर्थ यात्रियों से अपील है कि वे सतर्क रहें।

बदरीनाथ हाईवे 30 मीटर बहा, देर रात खुला– रविवार दोपहर बाद भारी बारिश से बदरीनाथ धाम के पास कंचन गंगा के उफान पर आने से बदरीनाथ हाईवे लगभग 30 मीटर तक बह गया। इससे आवाजाही बाधित हो गई थी। बीआरओ की टीम ने काफी मशक्कत के बाद हाईवे को रात करीब साढ़े नौ बजे आवाजाही के लिए खोल दिया।

हिमाचल में भारी बारिश का तांडव, 6 की मौत; भूस्खलन और बाढ़ की वजह से हाइवे बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून कहर बनकर बरपा है। भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं की वजह से कई जगहों पर सैलाब ही सैलाब दिखाई दे रहा है। भारी बारिश और बाढ़ की वजह से राज्य में अलग-अलग जगहों पर कम से कम 6 लोगों की जान चली गई। वहीं लोगों की संपत्ति को भी भारी नुकसान पहुंचा है। कई जगहों पर पुल टूट गए हैं और मकान ढग गए हैं। इसके अलावा कई प्रमुख सड़कें बंद हो गई हैं। चंडीगढ़-मनाली हाइवे के भी तीन जगहों पर बंद होने की सूचना है।

अचानक आ गया सैलाब

हिमाचल के सुजानपुर और हमीरपुर जिले में बादल फटने के बाद अचानक बाढ़ आ गई। यहां एक शख्स की डूबने से मौत हो गई। पूरे इलाके के नाले उफान मारने लगे। कुल्लू और मोहाल में नाले में तीन ट्रैक्टर और पांच अन्य वाहन बह गए। इसके अलावा चंबा के पास कम से कम 50 वाहन फंस गए। जानकारी के मुताबिक हमीरपुर में एक, सिरमौर-मंडी में दो-दो और चंबा में एक मौत हुई है। डूबने, भूस्खलन और सड़क हादसे की वजह से लोगों की मौत हुई है।

हाईवे पर गिरे बड़े-बड़े पत्थर

मंडी में खोतीनाला और चारमील के पास हुए भूस्खलन के बाद सड़क पर बड़े0-बड़े पत्थर बिखर गए हैं। इसके अलावा यहां के नाले में पानी पुल के ऊपर से बहने लगा और पुल भी डैमेज हो गया। तेजी से बह रहे पानी में काफी मलबा भी आया है जिसकी वजह से हाइवे बंद हो गए। बताया जा रहा है कि दो ही दिन में मंडी में 300 एमएम से ज्यादा बारिश हो गई।

फसलों को नुकसान

बाढ़ और भारी बारिश के कारण फसलों को नुकसान पहुंचा तथा मकान और वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके अलावा बाढ़ के पानी में कई मवेशी बह गए। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार रविवार को हमीरपुर और शिमला जिले में एक-एक व्यक्ति डूब गया। बारिश ने 11 मकानों और वाहनों के साथ-साथ चार गौशालाओं को भी नुकसान पहुंचाया।

ओडिशा में भीषण सड़क हादसा, 2 बसों की टक्कर में 10 यात्रियों की मौत; कई घायल

भुवनेश्वर। ओडिशा के गंजम जिले में देर रात दिगपहांडी के पास दो बसों के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई है। करीब आठ यात्री घायल हैं। गंजम की जिला मजिस्ट्रेट दिव्य ज्योति परिदा ने कहा कि घायलों को इलाज के लिए एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है। उन्होंने घटना की जानकारी देते हुए कहा, दो बसें टकरा गईं, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई। घायलों को तुरंत इलाज के लिए एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। मामले की जांच चल रही है। हम घायलों को हर संभव मदद देने की कोशिश कर रहे हैं। हादसे की खबर के बाद ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक ने भी गंजाम जिले में हुए बस हादसे में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मृतकों के परिजनों को 3-3 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

दिल्ली में 10 प्रतिशत महंगी हो सकती है बिजली, डीईआरसी ने नई दरों को दी मंजूरी; क्या करेगी केजरीवाल सरकार?

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बिजली की दरें महंगी हो सकती हैं। बिजली आपूर्ति कंपनियों को पावर परचेज एग्रीमेंट के तहत बिजली खरीद की दरों में 10 फीसदी के बढ़ोत्तरी की मंजूरी मिल गई है। बिजली आपूर्ति कंपनी बीएसईएस ने डीईआरसी के पास इसे लेकर अर्जी लगाई थी। हालांकि बिजली की दरें बढ़ेगी की नहीं इसपर अंतिम फैसला सरकार लेगी। दिल्ली में बिजली की नई दरों को तय करने को लेकर प्रक्रिया चल रही है। जनता के सुझावों के बाद इसपर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

बिजली आपूर्ति कंपनियों का कहना है कि यह एक सामान्य प्रक्रिया है। लगभग हर साल बिजली आपूर्ति कंपनियों बिजली खरीद समझौते में बिजली की दरों को बढ़ाने के प्रस्ताव को लेकर डीईआरसी से मंजूरी लेनी होती है। इस बार इसमें मंजूरी दी गई है जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि बिजली की दरों में 10 फीसदी तक के इजाफा हो सकता है। अब चूंकि इसका भार बिजली कंपनियों को उठाना पड़ता है तो बिजली उपभोक्ताओं के बिजली दरों पर भी इसका असर पड़ सकता है।

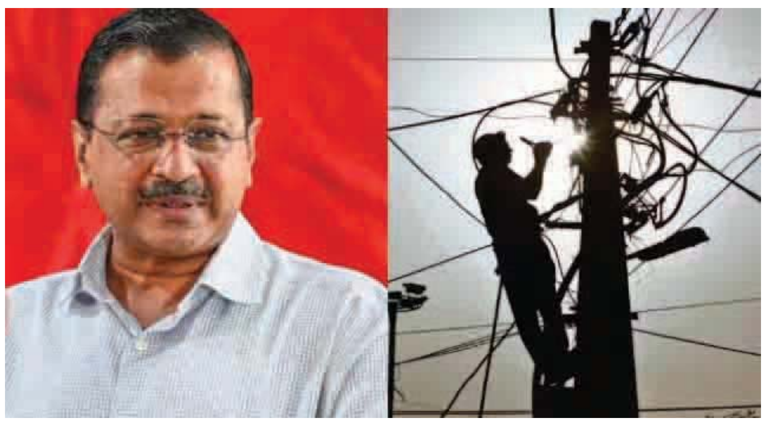

हालांकि, बीते साल बिजली खरीद समझौते के तहत भी बढ़ोत्तरी हुई है। उस समय दिल्ली सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं पर इसका भार डालने की मंजूरी नहीं दी थी। बिजली आपूर्ति कंपनियों को ही इसका भार वहन करने का निर्देश दिया था। इस बार भी इसपर अंतिम फैसला सरकार लेगी। डीईआरसी वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए दिल्ली में नई बिजली दरों को तय करने कि प्रक्रिया शुरू कर चुकी है। नई डीईआरसी चेयरमैन की नियुक्ति के बाद इसमें बढ़ोत्तरी की आशंका भी है। वर्तमान में दिल्ली में 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त मिलती है। 201 से 400 यूनिट तक की खपत करने वाले बिजली उपभोक्ताओं को बिजली के बिल पर 50 फीसदी की छूट मिलती है।

बेसिक के 16 हजार शिक्षकों को तबादले का तोहफा, लंबे समय से इंतजार कर रहे थे शिक्षक

लखनऊ। शासन ने अपने घर से दूर नौकरी कर रहे बेसिक शिक्षा विभाग के 16 हजार से अधिक शिक्षकों को अपने घर के पास जाने का तोहफा दिया है। विभाग ने लंबी कवायद के बाद एक जिले से दूसरे जिले में 16,614 शिक्षकों का तबादला किया है। सोमवार शाम इसकी सूची जारी होने के बाद शिक्षकों और परिजनों में खुशी का माहौल है।शासन ने तीन जून को बेसिक के विद्यालयों में तैनात शिक्षकों के एक से दूसरे जिले में तबादले का विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया था। इस क्रम में आठ जून से अश्वनलाइन तबादला प्रक्रिया शुरू हुई। हालांकि इसमें कुछ तकनीकी दिक्कत आई लेकिन इसे सुधार कर आवेदन पूरे किए गए। 45,914 शिक्षकों ने इसके लिए आवेदन किए थे। इनके आवेदन पत्रों व लगाए गए दस्तावेज की कड़ी जांच के बाच सोमवार शाम फाइनल तबादला सूची जारी की गई।

इसके अनुसार 12,267 महिलाओं व 4347 पुरुष शिक्षकों को तबादला मिला है। इसमें असाध्य व गंभीर रोगी 1141, दिव्यांग 1122 व एक अभिभावक 393 शिक्षक शामिल हैं। विभाग ने इससे पहले 2019-20 में शिक्षकों के तबादले किए थे। उस समय 26,563 शिक्षकों को इसका लाभ मिला था। बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव प्रताप सिंह बघेल ने कहा कि तबादले के लिए भारांक के लिए गलत कागज लगाने वाले शिक्षकों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी और उनका तबादला निरस्त माना जाएगा। उन्होंने 24 दिन के अंदर तबादला कार्यवाही पूरी करने के लिए विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी है।

बेसिक शिक्षा विभाग के द्वारा यह सूची interdistricttransfer-upsdc-gov-in पर देखी जा सकती है। मालूम हो कि जून के पहले सप्ताह में ट्रांसफर के लिए आवेदन मांगे गए थे। यह पूरी प्रक्रिया अश्वनलाइन हुई। जिसमें पूरी पारदर्शिता के साथ सत्यापन कार्य किया गया। अलग-अलग श्रेणी के लिए वेटेज की व्यवस्था की गई थी। वेटेज में मिले गुणांक के आधार पर ही तबादला किया गया है।

सीतापुर जिले के 967 शिक्षकों की हुई घर वापसी

बेसिक शिक्षा विभाग में लंबे समय से घर वापसी का इंतजार कर रहे शिक्षकों को सोमवार देर शाम खुशखबरी मिली। शासन की तरफ से जारी सूची में 967 शिक्षकों का तबादला जिले से हो गया है। जबकि 487 शिक्षक गैर जनपद से सीतापुर आएंगे। अब इन शिक्षकों को जल्द कार्यमुक्त करने की प्रक्रिया शुरु होगी। अंतरजनपदीय स्थानांतरण के तहत शिक्षक तीन दिन से सूची आने का इंतजार कर रहे थे। सोमवार को वह दिनभर एनआईसी पर सूची अपलोड होने की जानकारी करते रहे। शिक्षकों को उम्मीद थी कि किसी भी समय सूची आ सकती है। देर शाम सूची जारी हो गई। जिसमें 967 शिक्षकों को घर वापसी का टिकट मिल गया है। यह शिक्षक बाराबंकी, गोंडा, पीलीभीत, शाहजहांपुर, हरदोई, संत कबीरनगर, अयोध्या सहित अन्य जनपदों में तबादले हुए हैं। जबकि गैर जनपद से महज 487 शिक्षक सीतापुर जिले में आए हैं। गैर जनपद जाने वाले शिक्षकों को जिले से कार्यमुक्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

बहराइच जिले के 750 शिक्षकों का हुआ तबादला

लंबे अरसे से जिले में तैनात डेढ़ सौ शिक्षकों के तबादले की सूची विभाग ने जारी कर दी है। जल्द ही सभी शिक्षक अपने गृह जनपद में तैनात होंगे। परिषदीय विद्यालयों में तैनात शिक्षक लंबे समय से तबादले की राह देख रहे थे। तबादले के लिए विभाग के पोर्टल पर जिले के 3875 शिक्षकों ने आवेदन किया था। सत्यापन के बाद जिले के 750 शिक्षकों के तबादले की सूची जारी कर दी गई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एआर तिवारी ने बताया कि सोमवार को विभाग ने जो सूची जारी की है उसमें करीब 750 शिक्षकों के तबादले की हुए है। अमेठी जिले से 482 शिक्षकों ने अंतर जनपदीय तबादले के लिए आवेदन किया था। इसमें से 266 का स्थानांतरण किया गया है।

सुल्तानपुर जिले से जाएंगे 485 और आएंगे 210 शिक्षक

बेसिक शिक्षा परिषद ने शिक्षकों की अंतर्जनपदीय तबादला सूची सोमवार को जारी कर दी है। जारी सूची में जिले के 485 शिक्षक बाहर जाएगें जबकि दूसरे जिले के 210 शिक्षक जिले में आएगें। शिक्षकों के गैर जनपद में तबादला हो जाने से शिक्षण कार्य प्रभावित होने का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि बीएसए का कहना है कि जिले में मानक से 700 शिक्षक अधिक हैं। ऐसे में कोई समस्या नहीं आएगी। जो विद्यालय एकल होंगे वहां बाद में जिले के भीतर होने वाले ट्रांसफर से समायोजन किया जाएगा।

रायबरेली में 185 शिक्षकों का तबादला और 182 को मिली निराशा

बेसिक शिक्षा विभाग में मनचाहे जिले जाने का इंतजार कर रहे 185 शिक्षकों को सफलता मिल गई है, जबकि 182 अध्यापकों को निराशा हाथ लगी है। रविवार रात से ही तबादला सूची का इंतजार कर रहे शिक्षकों में काफी बेचौनी रही। सोमवार को पूरा दिन पोर्टल पर सूची खंगालते रहे। कभी कहा जाता रहा कि अध्यापक की आईडी पर जानकारी मिलेगी तो कभी पूरे प्रदेश की सूची जारी होने की बात कही जाती रही। हालांकि देर शाम सूची जारी हुई तो तबादला पाने वालों के चेहरे खुशी से खिल उठे तो सूची में नाम न आने वाले शिक्षक मायूस हो गए।

बाराबंकी जिले में 80 मुख्य आरक्षी गैर जनपद स्थानांतरित

बाराबंकी जिले में तैनात 80 मुख्य आरक्षियों का गैर जनपद स्थानांतरण हो गया है। यह सभी अपनी तैनाती का समय जिले में पूरा कर चुके थे। इसके साथ ही 72 मुख्य आरक्षी जिले में अलग-अलग जनपदों से भेजे गए हैं। पुलिस अधीक्षक को इन्हे तत्काल कार्यमुक्त करते हुए अनुपालन आख्या भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

सहकारिता मंत्री ने उ.प्र. कोऑपरेटिव बैंक मुख्यालय में नवनिर्मित डीसीबी कैडर अथॉरिटी कार्यालय एवं डाटा सेंटर का किया शुभारंभ

सहकारिता को बढ़ावा देने के लिये पैक्स को बनाया जा रहा मजबूत

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने उ.प्र. कोऑपरेटिव बैंक मुख्यालय में नवनिर्मित डीसीबी कैडर अथॉरिटी कार्यालय, डाटा सेंटर, सभागार कक्ष, एलीकेशन अटेंडेंस ट्रैकिंग सिस्टम एवं आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री द्वारा बैंक के प्रबंध निदेशक वी.के. मिश्रा को भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा उ. प्र. कोऑपरेटिव बैंक को प्रदत्त 15700 रु 2018 सेवोत्तम लाइसेंस प्रदान किया गया।

इस अवसर पर सहकारिता मंत्री ने कहा कि यह गर्व की बात है कि भारतीय मानक ब्यूरो (ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड) द्वारा उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक को 15700 रु 2018 सेवोत्तम लाइसेंस प्रदान किया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि बैंक अपने ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा प्रदान कर रहा है। उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक भारत का पहला ऐसा बैंक है जिसको सेवोत्तम प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। सेवोत्तम लाइसेंस प्राप्त होने से उ0प्र0 कोआपरेटिव बैंक एक ब्रांड बना जिससे बैंक की साख बढ़ेगी।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज एक नयी व्यवस्था की शुरूआत की गयी है। जिला सहकारी बैंकों पर बेहतर तरीके से नियंत्रण रखने एवं उनकी समस्याओं को दूर करने के लिये डीसीबी कैडर अथॉरिटी कार्यालय तथा डाटा सेंटर का शुभारम्भ किया गया, जिसके दूरगामी परिणाम होंगे। पैक्स, जिला सहकारी बैंक एवं उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक एवं अन्य सहकारी संस्थाओं का डाटा सेंटर बैंक के पंचम तल पर स्थापित होने से डाटा एवं सूचनाएं एक स्थान से ही अब प्राप्त की जा सकेंगी। उन्होने कहा कि उ0प्र0 कोआपरेटिव बैंक सन् 1944 से लोगों को सेवायें दे रही है। आज इनकी शाखाये 27 से बढ़कर 40 हो गयी है तथा बैंक बेहतर तरीके से काम कर रही है। इसकी सभी शाखायें लाभ की स्थिति में है। राठौर ने कहा कि मुख्यमंत्री की अपेक्षा है कि बैंकिंग सेवाओं को गांव के अन्तिम व्यक्ति तक पहुचाया जाये। इसके लिये जिला सहकारी बैंकों का विस्तार करते हुये इसी सत्र में 243 नयी शाखायें खोली जायेंगी, जिसकी प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। उन्होंने कहा कि बैंकों में भ्रष्टाचार खत्म करने के लिये सारी व्यवस्थायें सुविधाये आनलाइन की जा रही है तथा शुचितापूर्ण तरीके से कार्य किया जा रहा है। उन्होने कहा कि सहकारी बैंकों में भ्रष्टाचार किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। सहकारिता मंत्री ने कहा कि जब से सहकारिता मंत्रालय बना है तभी से केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी सहकारिता को नया आयाम देने में लगे है। सहकारिता को बढ़ावा देने के लिये पैक्स को मजबूत बनाया जा रहा है तथा इसके कार्यों में विस्तार किया जा रहा है। जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। यूपी कोऑपरेटिव बैंक के कार्मिकों की जवाबदेही, कार्य एवं समय की प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने के लिए बैंक में एलीकेशन अटेंडेंस ट्रैकिंग सिस्टम स्थापित किया गया है, इसके साथ ही एईपीएस के शुभारंभ करने से भी ग्राहकों को विभिन्न प्रकार की सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी। सहकारिता मंत्री द्वारा बैंक परिसर में पौधारोपण भी किया गया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष तेजवीर सिंह ने अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक का विगत 5 वर्षों में कुल व्यवसाय 12000 करोड़ रूपये से बढ़कर लगभग 22000 करोड़ रुपये हो गया है। बैंक लगातार पांच वर्षों में अपना एनपीए कम करने में सफल रहा है। विगत 2 वर्षों में बैंक में संरचनात्मकविकासात्मक सुधार हुए हैं। प्रमुख सचिव, सहकारिता, श्री बी.एल. मीणा द्वारा भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं को पैक्स स्तर तक क्रियान्वित करने के निर्देश दिए तथा अवगत कराया की उत्तर प्रदेश, देश का पहला राज्य है जहां पैक्स कंप्यूटराइजेशन प्रक्रिया को प्रारंभ किया जा चुका है। इस अवसर पर बैंक के उपसभापति जितेंद्र बहादुर सिंह, विशेष सचिव सहकारिता अच्छे लाल यादव, बैंक के प्रबंध निदेशक श्री वी.के.मिश्र, विभाग के अन्य संस्थाओं के प्रबन्ध निदेशक एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग—उ0प्र0

आईजीआरएस मेलापरवाही बरतनेपर 12 अधिकारियोंका डीएम नेरोका वेतन, मांगा स्पष्टीकरण

खबर दृष्टिकोण जालौन

उरई जालौन– आई0 जी0 आर0 एस0 व जनसुनवाई के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले 12 अधिकारियों पर जिलाधिकारी चाँदनी सिंह ने जून माह के वेतन आहरण पर रोक व स्पष्टीकरण मांगा जिलाधिकारी ने कहा कि आई0जी0आर0एस0 व जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में हैं इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नही होगी। जनसुनवाई में विभागीय अधिकारियों द्वारा शत प्रतिशत निस्तारण में लापरवाही करने वाले अधिकारी मुख्य चिकित्साधिकारी उपजिलाधिकारी माधौगढ़ तहसीलदार उरई तहसीलदार माधौगढ़ जिला पंचायत राज अधिकारी अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका उरई अधिशाषी अभियन्ता विद्युत प्रथम अधिशाषी अभियन्ता जल निगम ग्रामीण खण्ड विकास अधिकारी कदौरा अधिशाषी अभियन्ता नलकूप आर0आर0के0 ए0आर0ए0 आदि का वेतन लम्बित प्रकरणों के अन्तिम रूप से निस्तारण होने तक वेतन रोक दिया गया हैं, साथ ही स्पष्टीकरण मांगा गया। उन्होने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आई0जी0आर0एस0 व जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापरक व ससमय निस्तारण किया जाये इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेगी।

खबर एक नजर में

लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं का पारदर्शी व्यवस्था के तहत किया गया स्थानांतरण

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के भ्रष्टाचार के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के अनुपालन के क्रम में लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद के निर्देश पर विभाग के कार्यों में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगातार नित नयी पारदर्शी व्यवस्था को लागू किया जा रहा है। लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद के निर्देश पर विभाग के इतिहास में पहली बार अभियंताओं का स्थानांतरण मेरिट आधारित काउंसलिंग व्यवस्था से किए जाने का निर्णय लिया गया है। मेरिट आधारित काउंसलिंग व्यवस्था के तहत अभियंताओं के द्वारा मांगे गए ऐच्छिक विकल्प के आधार पर उनका स्थानांतरण किया जाएगा। इसी क्रम में आज लोक निर्माण विभाग मुख्यालय स्थित विश्वेशरैया सभागार में मेरिट आधार काउंसलिंग व्यवस्था के अन्तर्गत 136 सहायक अभियंताओं द्वसिविलत्र का उनके द्वारा मांगे गये विकल्प पर स्थानांतरण किया गया, जिसमें ऐसे सहायक अभियंता जिनकी सेवानिवृत्ति अवधि 02 वर्ष से कम है को भी बुलाया गया, जिन सहायक अभियंताओं द्वारा अपनी सेवानिवृत्ति के दृष्टिगत स्थानांतरण न करने का अनुरोध किया गया, उनको स्थानांतरण नीति के अनुसार यथावत् उसी खण्ड में बनाये रखने का निर्णय लिया गया तथा जिसके द्वारा स्थानांतरण हेतु विकल्प दिया गया उन्हें ऐच्छिक स्थान प्रदान किया गया। इसी प्रकार ऐसे सहायक अभियंता जो लगातार 03 वर्ष से मुख्यालय पर तैनात हैं, उन्हें प्राथमिकता देते हुए खण्डों के चयन का अवसर दिया गया। स्थानांतरण संबंधी समस्त कार्यवाही विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह में खुले मंच पर करायी गयी तथा पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की गई, ताकि किसी भी स्थित को पुनरावलोकन किया जा सके।

महिला यात्री का पर्स छीन भागने वाला शातिर लुटेरा गिरफ्तार

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उन्नाव जीआरपी पुलिस टीम ने पैसेंजर ट्रैन में बैठी महिला का लेडीज पर्स छीन भाग रहा शातिर को दौड़ाकर धर दबोचा। महिला से शिकायती पत्र ले लूट की धाराओं में मुकदमा दर्ज शातिर को जेल भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक जीआरपी उन्नाव ने बताया कि कासगंज पैसेन्जर से रेलवे स्टेशन अमौसी से कानपुर तक महिला कोच में यात्रा कर रही महिला का कुशुम्भी रेलवे स्टेशन पर गाड़ी रुकते ही एक शातिर महिला यात्री का पर्स छीन भागने लगा महिला के शोर मचाने पर जीआरपी पुलिस ने शातिर का पीछा कर कुशुम्भी क्रासिंग से शातिर को धर दबोचा। गिरफ्त में आये शातिर ने पूछताछ में बताया कि वह बीएससी पास है घर से पैसा न मिलने लूट की घटना को अंजाम दिया है पुलिस को अपना परिचय देवेन्द्र राजपूत उर्फ कर्नल पुत्र हरिश्चन्द उर्फ हरिकिशोर निवासी ग्राम भरतापुर थाना चौबेपुर जिला कानपुर नगर बताया है। पीड़िता की शिकायत पर लूट की धारा में मुकदमा दर्ज कर शातिर को जेल भेज दिया गया है।

अस्पताल इलाज कराने गई वृद्धा संग टप्पेबाजी

पुलिसकर्मी बन कंकड़ पत्थर थमा असली गहने ले उड़े टप्पेबाज

गोमतीनगर थाना क्षेत्र की घटना

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। गोमतीनगर थाना क्षेत्र में इलाज कराने आई एक वृद्धा को सोमवार दोपहर बाइकसवार टप्पेबाजों ने पुलिसकर्मी बन हत्या का भय दिखा जेवर उतरवा कागज में कंकड़ पत्थर लपेट वृद्धा को थमा रफूचक्कर हो गई। वृद्धा ने जब पैकेट खोल देखा तो भौचक्का हो गई। जिसकी जानकारी फोन पर अपने बेटे को दी। बेटे की शिकायत पर गोमतीनगर पुलिस ने टप्पेबाजों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। देवा रोड, दयाल फार्म थाना चिनहट निवासी उज्ज्वल कुमार पुत्र जयप्रकाश सिंह के मुताबिक उनकी मां पूनम सिंह का इलाज डाद्ध शुभ मेहोत्रा विवेकखण्ड गोमतीनगर के यहां से चलता है। बीते शनिवार सुबह वह अपनी मां का इलाज कराने के लिए डाद्ध शुभ मेहोत्रा नर्सिंग होम विवेक खण्ड छोडकर अपनी ड्यूटी पर चला गया था । करीब घंटे भर बाद उनकी माँ ने अपने संग फोन पर घटना घटित हो जाने की जानकारी दी। जिसपर वह तुरंत अपनी माँ के पास पहुंचा तो पता चला कि उसकी माँ डाक्टर के यहां नम्बर लगाकर जूस पीने मनोज पाण्डेय चौराहा के तरफ चली गयी थीं। वापस आते समय आईसीआईसीआई बैंक के सामने एक मोटरसाइकिल से दो अज्ञात व्यक्ति आये और एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर ही बैठा रहा और दूसरा व्यक्ति उसकी मां के बगल में आया और बोला कि एक महिला का आगे मर्डर हो गया है, आप पेपर नहीं पढ़ती हैं क्या । इधर गहना पहन कर आना मना है। उस अज्ञात व्यक्ति ने कहा कि वह पुलिस वाला है और ड्यूटी पर है आप अपने सारे गहने उतार कर अपने पास रख लीजिये । इस तरह उक्त दोनों व्यक्तियों के कहने पर वादी की मां ने अपने सारे गहने उतार कर उक्त लोगों द्वारा दिये गये कागज में रखकर अपने पर्स में रखने ही जा रहीं थी कि उक्त दोनों व्यक्तियों ने कहा कि लाइये कागज पर हस्ताक्षर कर दूं तभी आप इसे ले जा पायेंगीं। उसकी माँ ने गहने वाला कागज उन्हें दे दिया इसके बाद उन लोगों ने एक कागज की पुड़िया दिया और बोला कि इसे यहां मत खोलियेगा और दोनों व्यक्ति वहां से चले गये। उनके जाने के जब उनकी मां ने कागज की पुड़िया खोला तो देखा कि उसमें कंकड़-पत्थर रखे थे। बेटे ने अपनी माँ संग गोमतीनगर थाने पहुँच घटना की जानकारी देते हुए पुलिस से लिखित शिकायत की है। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात टप्पेबाजों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

महिला गिरोह की तीन टप्पेबाज महिला गिरफ्तार, मंगलसूत्र बरामद

कृष्णा नगर पुलिस का गुडवर्क।

खबर दृष्टिकोण आलमबाग। कृष्णा नगर पुलिस ने थाना क्षेत्र महिला गैंग द्वारा एक महिला संग टप्पेबाजी कर उसका मंगलसूत्र चोरी कर लेने के मामले में मात्र 24 घंटे में महिला गिरोह की तीन सदस्यों को गिरफतार कर उनके कब्जे से मंगलसुत्र बरामद कर घटना का अनावरण करते हुए शातिर महिलाओ को जेल भेज दिया है। कृष्णा नगर कोतवाली विक्रम सिंह ने बताया कि रविवार को मानस नगर निवासी प्रज्ञा लता पत्नी सुशील कुमार ने तहरीर दिया कि अवध चौराहा से आटो पर तीन महिलायें और एक लड़की बार-बार उल्टी करने लगी तभी एक महिला ने धोखाधडी से उनका मंगलसूत्र गले से चोरी कर लिया था जिसकी जानकारी उन्होंने घर पहुंचकर अपने परिवारीजनों को दी थी। महिला की शिकायत पर त्वरित कार्यवाई करते हुए गठित टीम द्वारा सोमवार सुबह अवध चौराहा लेबर मंडी के पास से तीन शातिर टप्पेबाज महिला को गिरफ्तार किया गया है जिनके कब्जे से चोरी का मंगलसूत्र बरामद हुआ है जिसकी शिनाख्त पीड़िता ने की है। पुलिस को शातिर महिलाओ ने अपना परिचय सोना कुमारी पत्नी मुकेश कुमार निवासिनी सीतमपुर कालोनी द्धरेलवे कालोनीत्र पोखरा के पास मुगलसराय जिला चन्दौली नन्दनी कुमारी पत्नी विपिन कुमार निवासी सीतमपुर कालोनी द्धरेलवे कालोनीत्र पोखरा के पास मुगलसराय जिला चन्दौली व रानी कुमारी पुत्री दिनेश कुमार निवासी सीतमपुर कालोनी द्धरेलवे कालोनीत्र पोखरा के पास मुगलसराय जिला चन्दौली एवं एक सात वर्षीय नाबलिक बच्ची को हिरासत में लेकर कार्यवाई किया गया है।

जोनल अधिकारी राजधानी में अवैध निर्माणों के लिए जिम्मेदार

उपाध्यक्ष इन्द्रमणि त्रिपाठी के कार्यकाल में दागदार अवर अभियंता व दागदार सुपरवाइजर,मेट हुए तैनात

दैनिक खबर दृष्टिकोण

संवाददाता आनंद गुप्ता

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष के द्वारा भले ही अवैध निर्माण पर कार्यवाही के निर्देश दिए जा रहे हो लेकिन लखनऊ शहर में हो रहे बड़े पैमाने पर नियम विरुद्ध निर्माणो के लिए उपाध्यक्ष से लेकर विहित प्राधिकारी पूर्ण रुपेण जिम्मेदार हैं। लखनऊ विकास प्राधिकरण में तैनाती पाने वाले प्रत्येक उपाध्यक्ष के द्वारा अवैध निर्माणों पर प्रभावी कार्यवाही के निर्देश देने तक ही कार्यशैली सीमित रहती है, लेकिन आज तक अवैध निर्माण रोकने में पूर्व व वर्तमान विहित प्राधिकारी के साथ समस्त जोन में तैनात प्रवर्तन के अवर व सहायक अभियंताओं के द्वारा किसी भी प्रकार की रोक लगाने में विफल रहे और अवैध निर्माण दिन दुगने रात चौगुनी बढ़ता गया,किसी भी प्राधिकरण के पूर्व व वर्तमान उपाध्यक्ष के द्वारा वैध मानचित्र स्वीकृत की प्रक्रिया व नियमावली लागू नहीं की गई, प्रवर्तन में तैनात होने वाले अवर व सहायक अभियंताओं की कार्यशैली केवल वसूली तक ही सीमित रह जाती है, प्रवर्तन जोन 1 व 5 में तैनाती के बाद जोन 7 में तैनात नोटिस बाज अवर अभियंता बिपिन बिहारी राय तथा अन्य जोन

> ❖ **बृहद विडंबना यह है कि एलडीए के प्रवर्तन जोनों में तैनात जोनल अधिकारियों के द्वारा सरकारी सीयूजी नंबर की काल तक नहीं उठाई जाती और ना ही अवैध निर्माणों के मामले में होने वाली शिकायतो पर कार्रवाही की जाती है। जिसे समस्त जोनों में अवैध निर्माणों को बढ़ावा मिला है**

1 मे तैनात अवर अभियन्ता सतवीर सिंह व सुरेन्द्र द्विवेदी,जोन 5 में सुभाष शर्मा,जोन 7 में एस पी सिंह,शशि भूषण मिश्रा आदि के द्वारा नोटिस काटने के बाद अवैध निर्माण को पूर्ण करवाने तक ही कार्यशैली सीमित रहती है,जबकि उत्तर प्रदेश नगर योजना विकास के अधिनियम 1973 की नियमावली के तहत अवैध निर्माण की नोटिस काटने के 15 दिनों के बाद अवैध निर्माण कार्य न रुकने की स्थिति में अवैध निर्माण को सील करने का प्रस्ताव संबंधित जोन में तैनात अवर अभियंताओं के द्वारा बनाकर विहित प्राधिकारी से अनुमति लेकर सील आदि की कार्यवाही की जाती है, इसके अलावा

लंबे समय से प्रवर्तन विभिन्न जोन क्षेत्रो में तैनात रहे अवर अभियंताओं व सुपरवाइजर को कई वर्षों से लगातार तैनाती दी गई,वही जोन 7 के पूर्व अवर व वर्तमान प्रमोटेड सहायक अभियंता उदयवीर जैसे लोग भी अवैध निर्माणों के ठेकेदार हैं, बृहद विडंबना है कि अवैध निर्माणों पर प्रभावी कार्यवाही के निर्देश देने वाले उपाध्यक्ष इंद्रमणि त्रिपाठी के कार्यकाल में प्राधिकरण डिप्लोमा इंजीनियर संघ यूनियन के दागदार अवर अभियंताओं के साथ ही प्राधिकरण के कर्मचारी यूनियन के दागदार सुपरवाइजरो को पद के विपरीत अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा के द्वारा तैनाती दी गई, इतना ही नहीं प्रवर्तन में वर्षो से जोन 7 मे तैनात नाजिम रजा, कृष्ण दत्त तिवारी के साथ ही गिरीश यादव,अशोक यादव,अशिक्षित शिवकरन,विनोद,राजेश पाण्डे,मुकेश,रमेश आदि लोग अवैध निर्माणकर्ता व अवर अभियंताओंकी दुरभि सन्धि करवाने की महारत हासिल है, इसकेअलावा प्रवर्तन में तैनात अनेको सुपरवाइजर पद के विपरीत तैनात चपरासी, बेलदार, चौनमैन, गैंगमैन है। जोनल व्यवस्था लागू होने के बाद जोनल अधिकारी अवैध निर्माण निर्माण रोकने में विफल हुए, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लोकप्रिय जन शिकायत आइजीआरएस पोर्टल होने वाली शिकायतों का प्रवर्तन अधिकारियोंद्वारा मनगढ़ंत व फर्जी आख्या लगाकर निस्तारण करकेअवैध निर्माण को पूर्णकरवा दिया जाता है, अवैध निर्माण से संबंधित अनेकों शिकायतें प्रवर्तन जोनो के जोनल अधिकारी ध विहित प्राधिकारी रमाशंकर, श्रद्धा चौधरी,अरविंद त्रिपाठी से होने के बाद भी कोई कार्यवाही न करके अवैध निर्माण को पूर्ण करके अध्यासित करवा दिया जाता है।

पुलिसकर्मी बन परिचय पत्र दिखा असली सोना ले प्लास्टिक के जेवर थमा टप्पेबाज फरार

खबर दृष्टिकोण

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में मंदिर पूजा करने गयी एक वृद्धा को मंदिर के बाहर बैठे युवक ने अपने को पुलिसकर्मी बता परिचय पत्र दिखा चेकिंग की बात कहते हुए महिला से सोने के जेवर उतरवा कागज में लपेट प्लास्टिक का जेवर थमा रफूचक्कर हो गया।

वृद्धा ने जब घर पहुंचकर पुड़िया खोला तो उसमे प्लास्टिक की चूड़ियां निकली। जिसकी सूचना कंट्रोल नंबर पर दे स्थानीय थाने पर पुलिस से लिखित शिकायत की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के विष्णु लोक कॉलोनी में रहने वाली 74 वर्षीय वृद्धा मंजू बाजपेई के मुताबिक रोज की तरह वह रविवार सुबह घर के निकट रुद्र वैष्णो मंदिर में जल चढाने गई थी और मंदिर से बेलपत्र तोड़ कर वापस आ रही थी इसी बिच एक अन्य व्यक्ति बेलपत्र तोड़ने में उनकी मदद करने लगा और उनके साथ ही मंदिर के बाहर निकला। इसी दौरान हेलमेट पहने एक युवक ने दोनों लोगो को रोका और अपने को पुलिसकर्मी बता अपना परिचय पत्र दिखाया साथ ही कहा कि क्या पेपर नहीं पढा एक टीचर की गला काटकर हत्या कर दी गयी है। मेरी पूरी टीम गाड़ी लेकर आगे पूछताछ कर रही है। आप लोग अपना सोने का सामान उतार दीजिए नही तो दस हजार रुपये का जुर्माना लगेगा। बेल पत्र तुड़वाने वाले आदमी ने अपनी अँगूठी उतार कर दे दी और बाइकसवार ने कागज में लपेटकर उसको वापस कर दी और मुझसे मेरे दोनो कँगन और एक अंगूठी उतरवाकर एक कागज की पुडिया में रखकर मुझे वापस दे दी और कहा कि घर जाकर खोलियेगा और कहा कि भविष्य में पहनकर मत निकलियेगा । मैंने घर आकर देखा तो कागज की पुडिया में दो प्लास्टिक के कँगन मिले। जिसकी सूचना वृद्धा के बेटे अमोल बाजपेई ने घटना की सूचना कंट्रोल नंबर पर दी और स्थानीय थाने अपनी माँ के संग पहुंचकर पुलिस से लिखित शिकायत की है। सरोजनीनगर पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात टप्पेबाज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुटी है।

वर्ष 2023-24 हेतु वार्षिक ऋण योजना के अंतर्गत रु 3.75 लाख करोड़ के ऋण वितरण का लक्ष्य निर्धारित

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्तमंत्री सुरेश कुमार खन्ना की अध्यक्षता में आज राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उ.प्र.) की मार्च 2023 त्रैमास की बैठक महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ सभागार, बड़ौदा हाउस, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ में आयोजित की गई। अपने संबोधन में वित्त मंत्री ने प्रदेश के विकास में समस्त बैंको द्वारा दिये जा रहे योगदान की सराहना की। बैठक के दौरान उन्होनें वित्तीय वर्ष 2023–24 हेतु वार्षिक ऋण योजना की पुस्तिका का विमोचन किया। वर्ष 2023–24 हेतु वार्षिक ऋण योजना के अंतर्गत रु 3.75 लाख करोड़ के ऋण वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने वार्षिक ऋण योजना 2022–23 के अंतर्गत शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल किये जाने पर बैंकों की सराहना की तथा चालू वितीय वर्ष में भी सभी बैंकों को आवंटित लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहित किया। वित्त मंत्री ने कहा कि किसान, केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद, स्वयं सहायता समूहों, एफ.पी.ओ., ए.आई.एफ एवं समाज के कमजोर तबकों को व्यापक स्तर पर विभिन्न ऋण योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित करने हेतु प्रदेश के समस्त बैंकों से आह्वाहन किया, जिससे प्रदेश के ऋण जमा अनुपात में और अधिक वृद्धि हो सकेगी। उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष के दौरान प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं तथा बैंकर्स को सभी सम्भव सहयोग करने एवं अपने अधीनस्थ सभी बैंक शाखों की यथोचित समीक्षा करने व प्रदेश में अधिक से अधिक ऋण प्रवाह बढ़ाये जाने हेतु

आवाहन किया। वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान, सभी बैंकों की जमा राशि मार्च 2022 के सापेक्ष रू 13.96 लाख करोड़ के स्तर से बढ़कर मार्च 2023 में रू 15.58 लाख करोड़ को पार कर गयी है जो 11.60 प्रतिशत की उत्कृष्ट वृद्धि को दर्शाता है। इसी प्रकार विगत वर्ष मार्च 2022 के अग्रिम रू 7.31 लाख करोड़ में भी रु 1.19 लाख करोड़ से अधिक की वृद्धि दर्ज करते हुए मार्च 2023 में कुल अग्रिम रू 8.50 लाख करोड़ रुपये के स्तर तक पहुँच गया है। बैंक ऑफ बड़ौदा के कार्यपालक अधिकारी, अजय के. खुराना ने घरेलू आर्थिक परिदृश्य के विषय पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न मापदंडों पर बैंकों द्वारा अर्जित प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान बेहतर प्रगति करने हेतु सभी स्टेकहोल्डर्स से आह्वाह्न किया। उन्होंने बताया कि हमारा प्रदेश प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत 8.68 करोड़ खाते खोलते हुए प्रथम स्थान पर है। जनसुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत 6.36 करोड़ से अधिक नामांकन करते हुए हमारा प्रदेश प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में प्रथम एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में द्वितीय स्थान पर है। उन्होंने बताया कि वार्षिक ऋण योजना 2022–23 के अंतर्गत आवंटित लक्ष्य रु 294988 करोड़ के सापेक्ष रु 300430 करोड़ (102 प्रतिशत) की उपलब्धि हासिल की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश ने प्रथम बार वार्षिक ऋण योजनांतर्गत लक्ष्य शत प्रतिशत प्राप्त किया है। बैठक में मार्च 2023 की समाप्त तिमाही हेतु प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र और सरकार प्रायोजित योजनाओं के विभिन्न मापदंडों के अंतर्गत बैंकों की प्रगति की समीक्षा की गई। अपने स्वागत संबोधन में राजेशकुमार सिंह, महाप्रबंधक और संयोजक, एसएलबीसी (उ.प्र.) ने विभिन्न मापदंडों के अंतर्गत दर्ज प्रगति प्रस्तुत की तथा गत तिमाही के दौरान सम्पन्न विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला। बैठक में अजय के. खुराना, कार्यपालक निदेशक, बैंक ऑफ बड़ौदा, शिव सिंह यादव, महानिदेशक, संस्थागत वित्त एवं बाह्य सहायतित परियोजना महानिदेशालय, राजेश कुमार सिंह, महाप्रबन्धक एवं संयोजक, एस.एल.बी.सी., प्रांजल यादव, सचिव, एम.एस.एम.ई. विभाग (उ.प्र.), राज शेखर, सचिव, कृषि विभाग (उ.प्र.), श्रद्धा ठाकुर, महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, लखनऊ, एस. के. दोरा, मुख्या महाप्रबंधक, नाबार्ड, राज्य व केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और बैंकों व वित्तीय संस्थाओं के कार्यपालकों द्वारा भाग लिया गया।

बालू अड्डा से बहुखंडी मंत्री आवास बटलर पैलेस तक चलाया गया अतिक्रमण अभियान

लाइसेंस चेकिंग अभियान के तहत किया गया मॉडल शॉप व हॉस्पिटल को नोटिस जारी

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम आयुक्त इंद्रजीत सिंह के निर्देश पर सोमवार को जोन 1 के 1090 चौराहा से बहुखण्डी मंत्री आवास बालू अड्डा होते हुए बटलर पैलेस कालोनी तक एवं बापू भवन से केकेसी होते हुए रविन्द्रालय तक किये गये अवैध अस्थाई कब्जे को अतिक्रमण अभियान चला अतिक्रमण मुक्त कराया गया। अभियान के दौरान 2 ठेला 1 काउन्टर, 4 मेज सहित 1 ट्रक सामान जब्त किया गया तथा 10 चार पहिया व 23 दो पहिया वाहनों को रोड से हटाया गया। यह अभियान जोन एक जोनल अधिकारी दिव्यांशु पाण्डेय के नेतृत्व में चलाया गया, जिसमें कर अधीक्षक, बनारसी दास, ओम प्रकाश सिंह, राजस्व निरीक्ष राजा भैय्या, धनवीर सिंह, राजेश पाण्डेय, राजेश पटेल व प्रवर्तन दल सहित प्रवर्तन दल की टीम उपस्थित रही। वहीं दूसरी तरफ प्रवर्तन अधिकारी कर्नल सत्येन्द्र सिंह की उपस्थिति में प्रवर्तन दल टीम लीडर मनोज कुमार अपन टीम एवं पीआरडी जवानों, पूर्व सैनिक कल्याण निगम के सदस्य के साथ जोन–05 के कर अधीक्षक सुदेश यादव एवं जोन के सदस्य के साथ आलमबाग, कनौसी, पारा तालकटोरा रोड में मॉडलशॉप, हास्पिटल के लाइसेन्स की चेकिगं कर नोटिस जारी किया गया।

तहसील दिवस पर की गयी शिकायतो के आदेशो को स्थानीय अधिकारी उड़ाते धज्जियां

मामला कैंथ गांव के लेखपाल द्वारा किसानो के उत्पीडन तथा सुविधा शुल्क का

खबर दृष्टिकोण

जालौन। जालौन–सरकार द्वारा चलाए जा रहे संपूर्ण समाधान दिवस के निर्देशों की स्थानीय अधिकारी धज्जियां उड़ा रहे हैं जिससे लोगों का इन आयोजनो से होता जा रहा है मोहभंग जिसके चलते शिकायतों में आ रही हैं कमी। जनता की समस्या का शीघ्र निस्तारण हो जिसके लिए सरकार ने संपूर्ण समाधान दिवस थाना समाधान दिवस जैसी तमाम महत्वपूर्ण आयोजन को शुरु कर जनता की समस्या को हल करने का प्रयास किया जा रहा है लोगो की समस्या तहसील स्तर पर ही निस्तारित हो सके अधिकारी जनता की शिकायते इन समाधान दिवस पर निस्तारण करें। लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है स्थानीय स्तर के अधिकारी चाहे थाना समाधान दिवस हो या फिर तहसील दिवस हो शिकायतों का निस्तारण में औपचारिकता करते नजर आ रहे हैं जिसके चलते समाधान दिवस में दिन प्रतिदिन फरियादियों की संख्या कम होने लगी है लोगों का आयोजनों से मोहभंग होने लगा है ऐसा ही एक मामला कैथ गांव के कुछ किसानो द्वारा देते हुये बताया कि उन्होने जिला स्तरीय तहसील दिवस पर लेखपाल को लेकर एक शिकायत दर्ज कराई थी जिस पर आज तक कोई कार्यवाही नही की गयी।कमलेश पटेल बृजमोहन भास्कर धर्मेंद्र सुनील कुमार निवासी कैथ ने बताया कि उन्होंने जिला अधिकारी की अध्यक्षता मे आयोजित तहसील दिवस पर अपने गांव के लेखपाल विश्वजीत यादव की शिकायत की थी जो आए दिन ग्रामीणों को परेशान कर उनके साथ उत्पीड़न करते हैं तथा कोई भी सरकारी कार्य बिना सुबिधा शुल्क लिये बगैर नही करते इतना ही नही अगर सुविधा शुल्क नही दी तो वह काम के लिये चक्कर लग वाते रहते हैं। किसानों ने जिसकी शिकायत कई बार तहसीलदार बलराम गुप्ता तथा उप जिलाधिकारी से की किसानों द्वारा की गई शिकायतो पर आज तक कोई भी कार्रवाई नहीं की गई किसानो ने उक्त लेखपाल की शिकायत संपूर्ण समाधान दिवस पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित तहसील समाधान दिवस पर दर्ज कराई फिर भी आज तक कोई शिकायत का निस्तारण नहीं किया गया। जिससे लेखपाल के हौसले बुलंद हैं और किसान परेशान है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से उक्त लेखपाल की जांच कराकर उसके खिलाफ कार्यवाही किये जाने की मांग की।

सड़क हादसे में पति के मौत पर पत्नी ने अज्ञात डाला चालक के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

खबर दृष्टिकोण

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बीते दो सप्ताह पूर्व शहीद पथ पर हुए सड़क हादसे में हुए युवक की मौत पर पत्नी ने पति के क्रियाकर्म के पश्चात् सरोजनीनगर थाने पर अज्ञात डाला चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस जाँच में जुटी है। मूलरूप से बिहार प्रान्त की रहने वाली प्रियंका चतुर्वेदी पत्नी स्व राकेश चतुर्वेदी वर्तमान में निलमाथा चौराहा विजयनगर थाना कैन्ट में रहती है। पीड़िता के मुताबिक उसके पति सरोजनीनगर ट्रांसपोर्टनगर में स्थित मोपेड हाउस प्रा० लिमटेड में पर्चेज मैनेजर पद पर कार्यरत थे। बीते 9 जून की शाम करीब 8.45 बजे अपने घर के लिए पैदल ही वाहन पकड़ने लिए शहीद पथ तिराहा कि तरफ जा रहे थे कि तभी पिछे से एक बंद डाला तेजी से गाड़ी चालाते हुए टक्कर मार दी थी जिससे पीड़िता के पती की मृत्यु हो गई थी अपने पती के अंतिम संस्कार आदि करने के उपरांत पीड़िता ने रविवार को सरोजनीनगर थाने पहुँच अज्ञात डाला चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले में मुकदमा दर्ज कर जाँच में जुटी है।

जल संरक्षण के दृष्टिकोण से देश में अमृत सरोवर बनाना बहुत ही सराहनीय कदम

आने वाली पीढ़ियों के लिए वृक्ष लगाने और उन्हें बचाने का हम सब लोग संकल्प लें

परमार्थ का भाव रखते हुए वृक्षारोपण में समाज का प्रत्येक वर्ग करे सहयोग

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वृक्षों को लगाना बहुत जरूरी है, लेकिन उससे ज्यादा जरूरी उन्हें बचाना है। मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस वर्ष ग्राम्य विकास विभाग के 12.59 करोड़ पौधों के रोपण के लक्ष्य को समय से पूरा किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि लक्ष्य की पूर्ति हेतु प्रत्येक वर्ष की भांति जुलाई के प्रथम सप्ताह में वन महोत्सव मनाया जायेगा इसकी कार्ययोजना तैयार करते हुए निर्धारित लक्ष्य को निर्धारित तिथि तक हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि रोपित पौधों की जीवन्तता सुनिश्चित करने हेतु रोपण के पश्चात आगामी 2वर्षों अथवा पौधों के वृक्ष के रूप में स्थापित होने तक सुरक्षा एवं रखरखाव किया जाए। मौर्य ने कहा है कि हमें अपने बच्चों की तरह वृक्षों और पौधों की परवरिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सरकार और समाज दोनों को मिलकर काम करना होगा ,तभी हम अपनी पीढ़ी को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण दे पाएंगे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण के दृष्टिकोण से ही अमृत सरवरों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम सबको संकल्प लेना चाहिए की परमार्थ का भाव रखते हुए वृक्षारोपण करें और पौधों को बचाएं। उन्होंने वृक्षों की महत्ता और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष धरा के आभूषण हैं, इनसे हमें शुद्ध ऑक्सीजन मिलती है और पर्यावरण संरक्षित रहता है। कहा कि स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत की दृष्टिकोण से प्रधानमंत्री जी ने जो संदेश दिया था, उसके परिणाम सार्थक और सकारात्मक परिणाम निखर कर आए हैं लेकिन अभी इस क्षेत्र में बहुत कुछ करना बाकी है।श्री मौर्य ने कहा हम सब लोग वातावरण को स्वच्छ रखने तथा वृक्षों को संरक्षित रखने की संगठित रूप से प्रयास करें तभी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित पर्यावरण दे पाएंगे। उन्होने लोगों से अपील की है कि हम अपने मित्रों व आसपास के लोगो को पर्यावरण सुरक्षा हेतु प्रेरित करें व अधिक से अधिक पौधे लगाएं।श्री केशव प्रसाद मौर्य ने आम जनमानस का आह्वान किया है कि सभी लोग पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन में अपना योगदान दें तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें।

अमेठी क्षेत्र के हाईवे से आम दुकानें हटवाई गई

खबर दृष्टिकोण संवाददाता सुनील मणि

गोसाईगंज ,गोसाईगंज के अमेठी के बाजार वार्ड निवासी वरिस ठेलिया चलाते थे। रविवार सुबह गोसाईगंज मंडी से वापस लौट रहे थे। रास्ते में आम की मंडी के पास पीछे से आ रहे ट्रक ने उन्हें रौद दिया था वारिस की मौके पर मौत हो गई थी। ग्रामीणों ने आरोप लगाकर हंगामा काटा और पुलिस प्रशासन हाईवे के किनारे लगी दुकानों को हटाने में जुट गया ।अवैध मंडी की दुकानें लगने से आए दिन हादसे होते थे ।मौके पर एनएचएआई कर्मचारी एवं गोसाईगंज पुलिस ने पहुंचकर कार्यवाही भी की और आम की मंडी को हटाया।

वर्ष 2023-24 हेतु वार्षिक ऋण योजना के अंतर्गत रु 3.75 लाख करोड़ के ऋण वितरण का लक्ष्य निर्धारित

खबर दृष्टिकोण लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के वित्तमंत्री सुरेश कुमार खन्ना की अध्यक्षता में आज राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उ.प्र.) की मार्च 2023 त्रैमास की बैठक महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ सभागार, बड़ौदा हाउस, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ में आयोजित की गई। अपने संबोधन में वित्त मंत्री ने प्रदेश के विकास में समस्त बैंको द्वारा दिये जा रहे योगदान की सराहना की। बैठक के दौरान उन्होनें वित्तीय वर्ष 2023–24 हेतु वार्षिक ऋण योजना की पुस्तिका का विमोचन किया। वर्ष 2023–24 हेतु वार्षिक ऋण योजना के अंतर्गत रु 3.75 लाख करोड़ के ऋण वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने वार्षिक ऋण योजना 2022–23 के अंतर्गत शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल किये जाने पर बैंकों की सराहना की तथा चालू वितीय वर्ष में भी सभी बैंकों को आवंटित लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहित किया। वित्त मंत्री ने कहा कि किसान, केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद, स्वयं सहायता समूहों, एफ.पी.ओ., ए.आई.एफ एवं समाज के कमजोर तबकों को व्यापक स्तर पर विभिन्न ऋण योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित करने हेतु प्रदेश के समस्त बैंकों से आह्वाहन किया, जिससे प्रदेश के ऋण जमा अनुपात में और अधिक वृद्धि हो सकेगी। उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष के दौरान प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं तथा बैंकर्स को सभी सम्भव सहयोग करने एवं अपने अधीनस्थ सभी बैंक शाखों की यथोचित समीक्षा करने व प्रदेश में अधिक से अधिक ऋण प्रवाह बढ़ाये जाने हेतु आवाहन किया।

वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान, सभी बैंकों की जमा राशि मार्च 2022 के सापेक्ष रू 13.96 लाख करोड़ के स्तर से बढ़कर मार्च 2023 में रू 15.58 लाख करोड़ को पार कर गयी है जो 11.60 प्रतिशत की उत्कृष्ट वृद्धि को दर्शाता है। इसी प्रकार विगत वर्ष मार्च 2022 के अग्रिम रू 7.31 लाख करोड़ में भी रु 1.19 लाख करोड़ से अधिक की वृद्धि दर्ज करते हुए मार्च 2023 में कुल अग्रिम रू 8.50 लाख करोड़ रुपये के स्तर तक पहुँच गया है। बैंक ऑफ बड़ौदा के कार्यपालक अधिकारी, अजय के. खुराना ने घरेलू आर्थिक परिदृश्य के विषय पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न मापदंडों पर बैंकों द्वारा अर्जित प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान बेहतर प्रगति करने हेतु सभी स्टेकहोल्डर्स से आह्वाहन किया। उन्होंने बताया कि हमारा प्रदेश प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत 8.68 करोड़ खाते खोलते हुए प्रथम स्थान पर है। जनसुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत 6.36 करोड़ से अधिक नामांकन करते हुए हमारा प्रदेश प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में प्रथम एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में द्वितीय स्थान पर है। उन्होंने बताया कि वार्षिक ऋण योजना 2022–23 के अंतर्गत आवंटित लक्ष्य रु 294988 करोड़ के सापेक्ष रु 300430 करोड़ (102 प्रतिशत) की उपलब्धि हासिल की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश ने प्रथम बार वार्षिक ऋण योजनांतर्गत लक्ष्य शत प्रतिशत प्राप्त किया है। बैठक में मार्च 2023 की समाप्त तिमाही हेतु प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र और सरकार प्रायोजित योजनाओं के विभिन्न मापदंडों के अंतर्गत बैंकों की प्रगति की समीक्षा की गई। अपने स्वागत संबोधन में राजेशकुमार सिंह, महाप्रबंधक और संयोजक, एसएलबीसी (उ.प्र.) ने विभिन्न मापदंडों के अंतर्गत दर्ज प्रगति प्रस्तुत की तथा गत तिमाही के दौरान सम्पन्न विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला। बैठक में अजय के. खुराना, कार्यपालक निदेशक, बैंक ऑफ बड़ौदा, शिव सिंह यादव, महानिदेशक, संस्थागत वित्त एवं बाह्य सहायतित परियोजना महानिदेशालय, राजेश कुमार सिंह, महाप्रबन्धक एवं संयोजक, एस.एल.बी.सी., प्रांजल यादव, सचिव, एम.एस.एम.ई. विभाग (उ.प्र.), राज शेखर, सचिव, कृषि विभाग (उ.प्र.), श्रद्धा ठाकुर, महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, लखनऊ, एस. के. दोरा, मुख्या महाप्रबंधक, नाबार्ड, राज्य व केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियोंऔर बैंकोंव वित्तीय संस्थाओं के कार्यपालकों द्वारा भाग लिया गया।

11 संविदा कर्मचारियों को मिला नियुक्ति पत्र

दैनिक खबर दृष्टिकोण

लखनऊ विकास प्राधिकरण में कार्यरत 11 संविदा कर्मचारियों को समिति की संस्तुति के आधार पर स्थायी रिक्त पदों पर विनियमित किया गया है। सोमवार को प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी व सचिव पवन कुमार गंगवार ने इन कर्मचारियों को स्थायी नियुक्ति पत्र देकर उनके उज्जवल जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि प्राधिकरण में दिनांक–31.12.2001 से पूर्व नियुक्त दैनिक वेतन/वर्कचार्ज/ससंविदा के कर्मचारियों को स्थायी रिक्त पदों पर विनियमित किये जाने के सम्बंध में उपाध्यक्ष द्वारा कमेटी का गठन किया गया था।

कमेटी की संस्तुति के आधार पर राम जीवन, महेश एवं अशोक कुमार यादव को बेलदार, अतीश कुमार, ओम प्रकाश, अवधेश प्रसाद, धीरेन्द्र कुमार, पुत्तीलाल एवं राम महेश को चौकीदार तथा अर्जुन लाल एवं शैलेष कृष्ण को सुपरवाइजर के पद पर विनियमित किया गया है।

सोमवार को उपाध्यक्ष व सचिव द्वारा इन सभी कर्मचारियों को मसऊद सभागार में स्थायी नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। प्राधिकरण में कई वर्षों से सेवारत इन संविदा कर्मचारियों को विनियमित करने पर कर्मचारी संगठन की अध्यक्ष विनोदिनी मिश्रा ने उपाध्यक्ष व सचिव को पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय नए लीव मैनेजमेंट पोर्टल के साथ डिजिटलीकरण में अग्रणी

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, प्रोफेसर आलोक कुमार राय के नेतृत्व में लखनऊ विश्वविद्यालय दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अपनी प्रक्रियाओं के पूर्ण डिजिटलीकरण की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस क्रम में विश्वविद्यालय का लीव मैनेजमेंट पोर्टल तैयार किया जा रहा है, जो शिक्षण और शिक्षणेत्तर सदस्यों दोनों के लिए अवकाश आवेदनों की प्रक्रिया में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए तैयार होगा। प्रशासनिक उत्कृष्टता के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की अपनी प्रतिबद्धता के साथ विश्वविद्यालय ने पहले अपने लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, स्लेट को सफलतापूर्वक बनाया, जिसके लिए विश्वविद्यालय ने कॉपीराइट और ट्रेडमार्क दोनों प्राप्त किए। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय ने म्।म् पोर्टल बनाया, जो परीक्षा–संबंधित सेवाओं के लिए समर्पित है।नया लीव मैनेजमेंट पोर्टल विश्वविद्यालय की डिजिटल परिवर्तन यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। छुट्टी–संबंधी प्रक्रियाओं को केंद्रीकृत और सरल बनाने के उद्देश्य से ये डिजाइन किया जा रहा है। पोर्टल कई प्रमुख सुविधाएँ प्रदान करता है जिससे कर्मचारियों और प्रशासकों को समान रूप से बहुत लाभ होगा। पोर्टल का एक मुख्य आकर्षण एक ही डैशबोर्ड पर कर्मचारी के अवकाश को ट्रैक करने की क्षमता है, जिससे शेष अवकाश और लंबित आवेदनों का अवलोकन किया जा सकता है।

यह सुव्यवस्थित पोर्टल समय पर निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करता है।इसके अलावा, पोर्टल विश्वविद्यालय की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप एक अवकाश सूची बनाने में सक्षम होगा। ईजी एक्सेस लीव मैनेजमेंट पोर्टल का एक मुख्य पहलू है। कर्मचारी अपने उपयोगकर्ता पैनल के माध्यम से कहीं से भी पोर्टल तक आसानी से पहुंच सकते हैं, जिससे अवकाश के आवेदन जमा करने और अवकाश से संबंधित जानकारी की समीक्षा करने में सुविधा और लचीलापन मिलता है।पारदर्शिता पर ध्यान देने के साथ, पोर्टल प्रशासनिक अधिकारियों को अवकाश अनुरोधों की जांच करने, नीतियों का अनुपालन सुनिश्चित करने और असुविधाओं को कम करने के लिए तैयार किया जा रहा है। यह सुविधा विश्वविद्यालय समुदाय के भीतर विश्वास और जवाबदेही को बढ़ावा देते हुए एक निष्पक्ष और कुशल मूल्यांकन प्रक्रिया को प्रोत्साहित करती है। प्रशासनिक अधिकारियों को जांच प्रक्रिया के आधार पर अवकाश के आवेदनों को स्वीकार या अस्वीकार करने और किए गए निर्णयों के बारे में कर्मचारियों को तुरंत सूचित करने का अधिकार दिया गया है। यह तेज और पारदर्शी संचार सुनिश्चित करता है कि कर्मचारी सूचित रहें और तदनुसार योजना बना सकें। पोर्टल की रिपोर्टिंग क्षमताएं बहुमुखी हैं, जो विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार रिपोर्ट तैयार करने के लिए विभिन्न तरीकों की पेशकश करती हैं।

इसमें माह–वार रिपोर्ट शामिल हैं, जो छुट्टी के उपयोग और शेष छुट्टियों का सारांश प्रदान करती हैंय विशिष्ट तिथि रिपोर्ट, एक निर्धारित समय सीमा के भीतर लीव ट्रैकिंग में सक्षम करनाय वार्षिक रिपोर्ट, पूरे वर्ष छुट्टी के रुझान और पैटर्न का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत करती हैय और कर्मचारी–वार रिपोर्ट, व्यक्तिगत अवकाश इतिहास और संबंधित डेटा की पेशकश करते हैं।मोबाइल पर बढ़ती निर्भरता को देखते हुए, विश्वविद्यालय ने एक समर्पित मोबाइल ऐप के माध्यम से अवकाश के लिए आवेदन करने का विकल्प भी शामिल कर रहा है। यह मोबाइल–अनुकूल दृष्टिकोण कर्मचारियों को चलते–फिरते अवकाश के आवेदन जमा करने की अनुमति देता है, जिससे प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित करने और पहुंच में वृद्धि होगी।

इस प्रगतिशील कदम पर टिप्पणी करते हुए, कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कहा, ष्हम डिजिटल समाधान अपनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो विश्वविद्यालय की सभी प्रक्रियाओं में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाते हैं। लीव मैनेजमेंट पोर्टल की शुरूआत हमारे डिजिटलीकरण की यात्रा में एक और मील का पत्थर है, हमारे समर्पित शिक्षण और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए निर्बाध अवकाश प्रबंधन की सुविधा मिलेगी। हमारा मानना है कि इससे उत्पादकता में सुधार होगा, संचार में वृद्धि होगी और हमारे विश्वविद्यालय के प्रशासनिक ढांचे को और मजबूती मिलेगी। लीव मैनेजमेंट पोर्टल की शुरूआत के साथ, लखनऊ विश्वविद्यालय एक आधुनिक, प्रौद्योगिकी–संचालित वातावरण बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है, जो अंततः अपने कर्मचारियों और छात्रों के लिए समग्र शैक्षणिक अनुभव को बढ़ा रहा है।

सतत् संवाद से संभव होता विकास और बदलाव

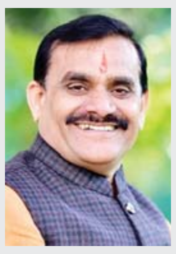
विष्णुदत्त शर्मा

वस्तुतः भाजपा में नेता और कार्यकर्ता एक दूसरे के पूरक हैं। यहां परस्परता और सहकारिता की संस्कृति है। सभी का लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण है। भाजपा सरकार की जनसेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की नीतियों में कार्यकर्ता की अपनी भूमिका भी निहित है। यही वजह है कि आज अन्त्योदय की भावना से गरीबों के जीवन बदलने का सपना साकार हो रहा है।

विश्व के सबसे लोकप्रिय राजनेता प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी की संवादपरकता का लोहा सारी दुनिया मानती है। आज संसार के सभी शक्तिशाली लोग उनसे मिलने को आतुर रहते हैं। विविध क्षेत्रों की श्रेष्ठ शख्सियतें भी मोदी की मुरीद हैं। किसी बड़े देश का राष्ट्राध्यक्ष हो या बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनी का मुखिया, वह भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सानिध्य चाहता है। हाल की उनकी अमेरिका यात्रा के दौरान यह दृश्य सभी ने देखा है। अमेरिकी कांग्रेस में मोदी के भाषण के दौरान भी मोदी-मोदी के नारे से सीनेट लगातार गूंजता रहा था। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अमेरिका में मोदी के नेतृत्व में रिकॉर्ड बन गया, जहां एक साथ 137 देशों के लोगों ने योग किया। भारतीय योग का परचम फहराने वाले श्री नरेंद्र मोदी की यह विशिष्टता है, कि वे बड़ी चीजों पर जितना ध्यान देते हैं, उससे कहीं अधिक छोटी दिखने वाली चीजों पर देते हैं। भारत से बाहर वे जहां भी जाते हैं, वहां प्रवासी भारतीयों से अवश्य मिलते हैं और उनसे संवाद करते हैं।अत्यंत व्यस्त होते हुए भी प्रधानमंत्री ने अमेरिका के एक हजार प्रवासी भारतीयों से संवाद किया। मोदी एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिनका भाषण सुनने विदेशों में भी हजारों लोग लालायित रहते हैं। अमेरिकन कम्युनिटी फाउंडेशन के अध्यक्ष भरत बराई के मुताबिक वैश्विक भारतीय डायस्पोरा के लिए मोदी सबसे लोकप्रिय भारतीय प्रधानमंत्री हैं और अब वह सबसे लोकप्रिय विश्व नेता हैं।

दरअसल, जनतंत्र में लोकप्रियता का सूत्र है सतत संवाद। जहां संवाद नहीं होगा, वहां लोकप्रियता नहीं होगी। संगठन में शुरू से ही श्री नरेंद्र मोदी जी अपनी संवाद शैली से जाने जाते रहे हैं। उनके रग-रग में संगठन-भाव है। शीर्ष पद पर बैठकर भी वे जितनी सहजता से ताकतवर नेताओं व उद्योगपतियों आदि से संवाद करते हैं, उससे कहीं अधिक सहजता से वे अपने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हैं। निचले पायदान पर सक्रिय कार्यकर्ताओं से संवाद का कोई भी अवसर वे नहीं छोड़ते। यही कारण है कि भाजपा का हर कार्यकर्ता नरेंद्र मोदी से जुड़ा हुआ महसूस करता है। कार्यकर्ताओं के प्रति उनका कुटुंब-भाव यह दशाता है कि भाजपा एक कैडर आधारित दल है। जहां कोई भी कार्यकर्ता अपने बीच से निकले प्रधानमंत्री से सहज संवाद कर सकता है। दशकों पहले संगठन-कार्य करते हुए मोदी जी ने यह विश्वास स्थापित किया है। नेतृत्व की यह विशेषता ही हम सबकी थाती है। संगठन में सतत संवाद भाजपा की विरासत है, जिसे मोदी जी ने नयी ऊँचाई दी है। तकनीकी उपयोग द्वारा उन्होंने इस परंपरा को नयी पहचान दी है। नमो एप के जरिये देशभर के कार्यकर्ताओं का उनसे सतत संपर्क संभव है। साथ ही सरकार की योजनाओं और प्रधानमंत्री का संदेश नीचे तक सीधे पहुंचता है।

आज भोपाल में प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में कार्यकर्ताओं का महाकुंभ इस कड़ी में एक नया अध्याय लेकर आया है। ह्यमेरा बूथ-सबसे मजबूतह्ण कार्यक्रम के जरिये मोदी जी देशभर के 10 लाख बूथों के करोड़ों कार्यकर्ताओं से संवाद का इतिहास रचेंगे। राजनीतिक इतिहास में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से सीधे संपर्क का यह आयोजन एक जनप्रिय नेता ही कर सकता है। यह संकल्प वही पूरा कर सकता है, जो कार्यकर्ताभाव से भरा हुआ हो। ये उसी नेता के द्वारा संभव है, जो मूल तत्व के महत्व को समझता हो और उसे सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हो। बड़े-बड़े पुराने दल के नेता आज दर-बदर घूम कर समर्थन जुटाने में व्यस्त हैं। सत्ता के लिए वे न जाने कितने दरवाजे खटखटा रहे हैं। जिनके पास नेता और कार्यकर्ता दोनों का अभाव है, उनसे भी दोस्ती की भीख मांग रहे हैं। परन्तु कार्यकर्ता आधारित पार्टी का नेता विदेश से लौटकर सीधे अपने बूथ की ओर देख रहा है। वह अपने बूथ के कार्यकर्ता से सीधे संवाद करने के लिए हाजिर है। यही है पार्टी विथ डिफरेंस। यहां कार्यकर्ताओं की अहमियत का अंदाजा बात से लगाया जा सकता है कि गुजरात विधानसभा चुनाव की जीत के बाद मोदी जी ने कहा था कि इस विजय में पन्ना और बूथ समितियों के कार्यकर्ताओं की अतुलनीय भूमिका है।

उल्लेखनीय है कि आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा जमीन से लेकर डिजिटल तक सभी प्रकार के प्लेटफार्म पर दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। 'मेरा बूथ-सबसे मजबूत' अभियान से जुड़े जिन कार्यकर्ताओं से आज मोदी जी संवाद करेंगे, उनकी चयन प्रक्रिया भी एक लोकतांत्रिक इतिहास का अहम पड़ाव बन गया है। इसके तहत देश के सभी विधानसभा और लोकसभा से दस-दस नाम चुने गये। ये नाम देशभर के सभी प्रमुख नेताओं को सौंपे गये, जिन्होंने इन दस बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं के साक्षात्कार लिये। बूथ से जुड़े प्रश्नों को लेकर बनाए गये मानदंडों पर बेहतर प्रदर्शन वाले प्रत्येक लोकसभा से पांच-पांच लोग मिलाकर कुल तीन हजार लोगों का चयन हुआ, जो भोपाल में प्रधानमंत्री से संवाद के लिए प्रत्यक्ष उपस्थित हो रहे हैं। इसके अलावा देशभर के 10 लाख बूथों के करोड़ों कार्यकर्ता भी डिजिटल तौर पर मोदी जी से सीधे जुड़ेंगे। कार्यकर्ता आधारित संगठन की घोषणा को चरितार्थ करने वाला यह समागम ऐतिहासिक है। यह इस बात का भी प्रमाण है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री श्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा के भीतर मौजूद कार्यकर्ताभाव के कारण आज देश में गरीब कल्याण की योजनाएं जमीन पर उतर रही हैं।निरंतर संवाद के कारण ही आज देश में गरीबों और गांवों को ध्यान में रखकर नीतियां और योजनाएं बनती हैं। एक साधारण कार्यकर्ता से चलकर देश में शीर्ष पायदान तक पहुंचने वाले मोदी जी का साधारण कार्यकर्ताओं से संवाद उत्प्रेरक का काम करता है। उनका यह कदम मौजूदा चुनौतियों से निपटने और आगे के विकास और बदलाव के लिए मार्ग भी दिखाता है।

वस्तुतः भाजपा में नेता और कार्यकर्ता एक दूसरे के पूरक हैं। यहां परस्परता और सहकारिता की संस्कृति है। सभी का लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण है। भाजपा सरकार की जनसेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की नीतियों में कार्यकर्ता की अपनी भूमिका भी निहित है।यही वजह है कि आज अन्त्योदय की भावना से गरीबों के जीवन बदलने का सपना साकार हो रहा है।

दलगत व्यवस्था में जमीनी स्तर पर सतत् संवाद रखने वाला नेतृत्व समाज की समस्याओं का हल लेकर आता है। नेता, नीयत और नीति से ही जनकल्याण का संकल्प संभव है। जनभावनाओं से कटे हुए नेता विदेशों में जाकर देश की आलोचना करते हैं। उन्हें देश की नब्ज समझने का सलीका नहीं होता। गृह मंत्री श्री अमित शाह हर बूथ पर 51 प्रतिशत वोट हासिल करने का जो मंत्र देते हैं, उसमें यही संदेश निहित है कि कार्यकर्ता अपने बूथ पर अधिकांश लोगों तक अपना जीवंत संवाद बनाए रखें।

पूर्व में मध्यप्रदेश की राज्य इकाई ने सफल बूथ विस्तारक अभियान चलाया था। चुनावी राजनीति में बूथ सशक्तिकरण का सामर्थ्य कैडर आधारित दल में ही है। देशभर के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं का एक परिवार की तरह एकत्र होकर संकल्प लेना भी ऐतिहासिक है।भाजपा के पितृपुरुष श्री कुशाभाऊ ठाकरे की कर्मभूमि पर बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं के महाकुंभ में प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में आयोजित ह्यमेरा बूथ, सबसे मजबूतह्ण कार्यक्रम भाजपा की सकारात्मक राजनीति को एक नया संकल्प और एक नई शक्ति प्रदान करने वाला है। आज का दिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में किसी दल के नेता द्वारा कार्यकर्ताओं से संवाद का साक्षी बनेगा।

(लेखक भाजपा मध्यप्रदेश के अध्यक्ष एवं खजुराहो लोकसभा से सांसद हैं)

संपादकीय

कड़े फैसले की दरकार

मणिपुर के हालात संभाले नहीं संभल रहे हैं। उपद्रवियों ने नई दिल्ली में सरकार की तरफ से बुलाई सर्वदलीय बैठक के नतीजों का इंतजार तक नहीं किया। वहां एक मंत्री के गोदाम को फूंक दिया और उनके घर फूंकने की कोशिश की। यह स्थिति तब है जबकि मणिपुर में इस वक्त रिकार्ड संख्या में सुरक्षाबल और अधिकारी तैनात हैं। विपक्ष का जोर है कि वहां एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजा जाए जो कूकी एवं मैइती समुदाय से बात करे। ये सब प्रयास ऐसे समय अपेक्षित होते हैं और किए भी जाने चाहिए। इससे उस हिंसा पीड़ित राज्य को संदेश जाता है कि उनके मुद्दों को लेकर पूरा देश चिंतित है। भारत जैसा कोई भी लोकतांत्रिक राज्य किसी सख्ती से पहले इन उपायों को आजमाता है। उपायों को बगैर आजमाए हुए उन्हें विफल करार नहीं दिया जा सकता। लेकिन मणिपुर में उपद्रव का जो ट्रेंड दिख रहा है, उनसे कुछ बातें जाहिर होती हैं। पहली, राज्य की सरकार और उसके मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह जनता का भरोसा खो चुके हैं।

बहुसंख्यक मैइती मानते हैं कि वे सरकार का समर्थन करने के बावजूद मर रहे हैं तो कूकी समुदाय भी उन पर भरोसा नहीं करते। दूसरी, हिंसा में जिस तरह के हथियारों का इस्तेमाल हो रहा है वह भयावह है। ये सरकारी संस्थानों से लूटे गए असलहे के अलावा हैं। आशंका है कि इनमें बाहरी हथियार भी हैं। यह गृहयुद्ध की स्थिति है। तीसरी बात यह कि हिंसाग्रस्त क्षेत्रों से दोनों ही समुदायों के लोगों का पलायन हो रहा है। यानी कूकी और मैइती दोनों ही अपनी सुरक्षा के लिए घर छोड़ रहे हैं। ये हालात पूर्वोत्तर के बड़े संकट को दोहराते लगते हैं, जब सरकार को किसी बड़े ऑपरेशन की जरूरत होती है। यह ऑपरेशन अपनी ही पार्टी की सरकार को बर्खास्त करने और राष्ट्रपति शासन लगाने तक हो सकते हैं। इन्हीं परिस्थितियों में 1980 के दशक में पंजाब में केंद्र ने अनुच्छेद 356 के तहत संवैधानिक उपायों का सहारा लिया था और दरबारा सिंह सरकार को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बर्खास्त कर दिया था। इसके पहले मिजोरम में उन्होंने असाधारण सख्ती की थी। मणिपुर के हालात जैसे बिगड़ रहे हैं, उन्हें देखते हुए केंद्र सरकार को ऐसे कदम उठाने की अपरिहार्यता लगती है। बहरहाल, यह बात एक वयस्क लोकतंत्र के आचरण के अनुरूप है कि सभी दल दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर समाधान के प्रति गंभीर हैं और इसके उपाय भी सुझा रहे हैं। खुद प्रधानमंत्री भी हर दिन इस मसले पर अपडेट होते रहते हैं।

चिंतन-मनन

क्रोध का जवाब क्रोध नहीं

एक बार एक ब्राह्मण ने महात्मा बुद्ध को अपने घर आकर, भोजन करने का निमंत्रण दिया। जब बुद्ध वहां पहुंचे तो उन्होंने पाया कि ब्राह्मण ने उन्हें किसी अन्य मकसद से वहां बुलाया था। ब्राह्मण उनकी निंदा करने लगा और उन्हें अपशब्द कहने लगा। बुद्ध ब्राह्मण के वचनों के वार चुपचाप सहते रहे। अंत में बुद्ध ने कहा,हे ब्राह्मण जी, क्या आपके घर मेहमान आते रहते हैं? हां, आते हैं। ब्राह्मण ने उत्तर दिया।

बुद्ध ने पूछा,जब मेहमान आते हैं तो आप उनके लिए क्या भोजन बनाते हैं? ब्राह्मण ने उत्तर दिया,हम एक बड़े भोज की तैयारी करते हैं। बुद्ध ने पूछा, अगर वे नहीं आते तो आप क्या करते हैं? ब्राह्मण बोला, हम भोज स्वयं खा लेते हैं। बुद्ध बोले,अच्छा, तुमने मुझे भोजन पर बुलाया पर तुमने मेरा स्वागत कठोर वचनों और आलोचना से किया। लगता है कि जो भोज तुम मुझे परोसने वाले थे, वह सही नहीं है। मैं तुम्हारे द्वारा परोसे भोजन को नहीं खाना चाहता। कृपया इसे वापस ले लो और स्वयं खाओ।

बुद्ध ने महसूस किया कि जो भोज उन्हें दिया गया था, वह खाद्य पदार्थों का नहीं, बल्कि गालियों का था। उन्होंने वापस मुड़कर ब्राह्मण का तिरस्कार करने और उसे अपशब्द कहने के बजाय उसके क्रोध को स्वीकार नहीं किया। बल्कि वे उस स्थान से चले गए। इस प्रकार, क्रोध उसी के साथ रहा जो उसे प्रकट कर रहा था। महात्मा बुद्ध के शिष्य यह देख रहे थे। बुद्ध ने उन्हें सलाह दी, कभी उस रूप में बदला न लो जिस रूप में सलूक आपके साथ हुआ हो। घृणा कभी घृणा से खत्म नहीं होती।

कई बार हमारा सामना ऐसे लोगों से होता है जो हमें बुरा-भला कहते हैं। उनके स्तर पर उतरने की जगह हमें उनके उपहारों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। तब उनका क्रोध उनके साथ ही रहेगा। जब हम घटना स्थल से हट जाएंगे तो वे अपने आपको, अपने क्रोध के साथ अकेला पाएंगे। वे चकित होंगे कि उनके क्रोध के बावजूद हम प्रेममय बने रहे। वे हमें आदर देने के लिए हमारे पास आ सकते हैं।

जैसे दिन गुजरे और हमारा सामना ऐसे लोगों से हो जो हमारे प्रति क्रोध और आलोचना से भरे हों तो हम उनके वचनों को शांति से सुनें। हमें यह देखना चाहिए कि उनके वचनों में क्या कोई सच्चाई है। अगर ऐसा है तो हम उनके वचनों से कुछ सीखें और अपने आपको सुधारें। अगर उनके वचनों में कोई भी सत्य नहीं है, तब हम उनके क्रोध के उपहार को स्वीकार न करें। हम उनके स्तर पर न उतर आएं। हम उनके प्रतिकूल वातावरण में शांति डालें। हमें क्रोध के उपहार को उनके पास छोड़ देना चाहिए और अपने शांत, खुशहाल रास्ते पर चल देना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मधुमेह जागृति दिवस: शारीरिक कसरत और संयमित भोजन जरूरी!

प्रतिवर्ष 27 जून को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मधुमेह जागृति दिवस मनाने की जरूरत इसलिए महत्वपूर्ण हुई क्योंकि इस बीमारी के कारण और बचाव के विषय में लोगों के बीच काफी मतभेद और अनभिज्ञता देखी जा रही है। अब डायबिटीज़ उम्र, देश व परिस्थिति की सीमाओं को लांघ चुका है। इसके मरीजों का तेजी से बढ़ता आंकड़ा दुनियाभर में चिंता का विषय बन चुका है। डायबिटिज के रोग के बारे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से मधुमेह जागृति दिवस मनाया जाता है।

वर्तमान में हमारा खानपान और जीवन शैली नियमित न होने और आई टी की नौकरी, आरामतलब जिंदगी के कारण प्रत्येक १० में ४ मधुमेह के रोगी हैं और वही स्थिति रही तो भारत देश मधुमेह की राजधानी बन जाएँगी। इसके लिए आप नियमित तेज चलिए मधुमेह पीछे हो जाएगा। वहीं वजन को नियंत्रित रखे गर्भवती महिलाएं वरना मधुमेह का खतरा हो जाएगा।

आप तेज चलिए, मधुमेह पीछे हो जाएगा। वहीं, वजन को नियंत्रित रखें गर्भवती महिलाएं, वरना मधुमेह का खतरा हो जाएगा। आप तेज चलेंगे तो मधुमेह पीछे छूट जाएगा। अगर आप चलना यानी तेज टहलना छोड़ दिए तो मधुमेह आगे बढ़ जाएगा। ऐसे में हरहाल में सभी को शारीरिक कसरत एवं संयमित भोजन का फामूर्ला अपनाना पड़ेगा। मधुमेह रोगियों के लिए दिन में कम से कम 30 मिनट तक तेज कदमों से जॉगिंग बहुत लाभकारी होता है मधुमेह पाचन संबंधित बीमारी है, जिसमें शुगर न पचने से ब्लड में शुगर ज्यादा हो जाता है और मरीज को उसके द्वारा साइड इफेक्ट्स आते हैं। मूलतः चार प्रकार की पाई गयी है। इसमें ज्यादातर लोगों में टाइप दो पाई गयी है। अन्य, जैसे टाइप एक और गर्भावस्था-जनित मधुमेह कम संख्या में देखी गई है। ये सभी प्रकार की मधुमेह की बीमारी धीरे धीरे बढ़ रही है और हमारा देश विश्व में सर्वाधिक मधुमेह रोगी वाले देशों में चीन के बाद द्वितीय क्रम में है। मधुमेह होने से बचना ही इसका सबसे अच्छा उपचार है। अन्यथा यह अविरल निर्बाध रूप से बढ़ती रहती है

मधुमेह से बचने के लिए शारीरिक कसरत करने और संयमित भोजन करने की जरूरत होती है। दिन में 30 मिनट तेज कदमों से टहलना या जॉगिंग से बहुत फायदा होता है। भोजन में रोटी, रेशे दार हरी सब्जी व फल और करीब आधा लीटर बिना मलाई का दूध लेना चाहिए। चीनी भी धीरे-धीरे छोड़ देने से शुगर जल्दी कंट्रोल होता है। गर्भकालिन मधुमेह उन महिलाओं को भी हो सकता है जिन्हे कभी मधुमेह की बीमारी ना रही हो। गर्भावस्था के दौरान दूसरी एवं तीसरी तिमाही में डाइबिटिज के होने का खतरा ज्यादा होता है। भारत में हर सात में से एक गर्भवती महिला को मधुमेह होने का खतरा रहता है। महिलाओं में गर्भकालिन मधुमेह होने का एक कारण महिला का वजन भी हो सकता है। इसलिए गर्भावस्था दौरान वजन पर नियंत्रण रखना महत्वपूर्ण है।

गर्भावधि में आहार विहार को नियंत्रित कर मधुमेह के खतरे को कम किया जा सकता है। ऐसे काबोहाइड्रेट जिसमे साबुत अनाज और अपरिष्कृत अनाज एवं कम वसा वाले प्रोटीन का प्रयोग करें। अच्छे आहार के साथ चिकित्सक की सलाह से हल्के व्यायाम भी करने चाहिए। गर्भावधि मधुमेह स्वयं ठीक हो जाता है। यह जीवन भर चलने वाले टाइप एक एवं टाइप दो मधुमेह से भिन्न होता है।

खास उपाय मधुमेह रोगियों के लिए –

तुलसी की पत्तियां:

तुलसी की पत्तियों में एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इसके अलावा इसमें कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो पैंक्रियाटिक बीटा सेल्स को इंसुलिन के प्रति सक्रिय बनाती हैं। ये सेल्स इंसुलिन के स्त्राव को बढ़ाती हैं। सुबह उठकर खाली पेट दो से तीन तुलसी की पत्ती चबाएं। आप चाहें तो तुलसी का रस भी पी सकते हैं। इससे ब्लड शुगर लेवल कम होता है।

जामुनः

अगर आपको लगता है कि जामुन आपका ब्लड शुगर लेवल बढ़ाता है तो आप गलत हो सकते है। डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए जामुन काफी अच्छा माना जाता है। मधुमेह के उपचार में जामुन एक पारंपरिक औषधि है। जामुन को मधुमेह के रोगी का ही फल कहा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी, क्योंकि इसकी गुठली, छाल, रस और गूदा सभी मधुमेह में बेहद फायदेमंद हैं। मौसम के अनुरूप जामुन का सेवन औषधि के रूप में खूब करना चाहिए।

करेलाः

प्राचीन काल से करेले को मधुमेह की औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसका कड़वा रस शुगर की मात्रा कम करता है। मधुमेह के रोगी को इसका रस रोज पीना चाहिए। इससे आश्चर्यजनक लाभ मिलता है। अभी-अभी नए शोधों के अनुसार उबले करेले का पानी, मधुमेह को शीघ्र स्थाई रूप से समाप्त करने की क्षमता रखता है।

जामुन के बीजों के सेवन सेः

जामुन के बीज भी डायबिटीज कंट्रोल करने में फायदेमंद हैं। जामुन के बीजों को अच्छी तरह सुखा लें। सूखने के बाद इन्हें पीसकर एक चूर्ण बना लें। सुबह खाली पेट जामुन के बीजों को गुनगुने पानी के साथ लें। इससे डायबिटीज कंट्रोल करने में मदद मिलेगी। इसके बीजों जाम्बोलिन नामक तत्व पाया जाता है, जो स्टार्च को शर्करा में बदलने से रोकता है।

नींबू :

मधुमेह के मरीज को प्यास अधिक लगती है। अतः बार-बार प्यास लगने की अवस्था में नींबू निचोड़कर पीने से प्यास की अधिकता शांत होती है।

मैथीः मधुमेह के उपचार के लिए मैथीदाने के प्रयोग का भी बहुत चर्चा है। दवा कंपनियां मैथी के पावडर को बाजार तक ले आई हैं। इससे पुराना मधुमेह भी ठीक हो जाता है। मैथीदानों का चूर्ण बनाकर रख लीजिए। नित्य प्रातः खाली पेट दो टी-स्पून चूर्ण पानी के साथ निगल लीजिए। कुछ दिनों में आप इसकी अद्भुत क्षमता देखकर चकित रह जाएंगे।

-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

उपलब्धि : किसानों की बढ़ रही आमदनी

प्रह्लाद सबनानी

भारत में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण इलाकों में रहती है एवं इसमें से बहुत बड़ा भाग अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है।

यदि ग्रामीण नागरिकों की आय में वृद्धि होने लगे तो भारत के आर्थिक विकास की दर को 10 प्रतिशत से भी अधिक किया जा सकता है। इसी दृष्टि से केंद्र सरकार लगातार यह प्रयास करती रही है कि किस प्रकार किसानों की आय को दुगुनी की जाए। इस दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

अप्रैल 2016 में इस संबंध में एक मंत्रालय समिति का गठन भी केंद्र सरकार द्वारा किया गया था एवं किसानों की आय बढ़ाने के लिए सात स्त्रोतों की पहचान की गई थी, इनमें फसलों की उत्पादकता में वृद्धि करना, पशुधन की उत्पादकता में वृद्धि करना, संसाधन के उपयोग में दक्षता हासिल करते हुए कृषि गतिविधियों की उत्पादन लागत में कमी करना, फसल की सघनता में वृद्धि करना, किसान को उच्च मूल्य वाली खेती के लिए प्रोत्साहित करना (खेती का विविधीकरण), किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाना एवं अधिशेष श्रमबल को कृषि क्षेत्र से हटाकर गैर कृषि क्षेत्र के पेशों में लगाना आदि शामिल हैं। इनके सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं एवं कई प्रदेशों में किसानों के जीवन स्तर में सुधार दिखाई दे रहा है, किसानों की खर्च करने की क्षमता बढ़ी है एवं कुल मिलाकर अब देश के किसानों का आत्मविश्वास बढ़ा है। वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण इलाकों में किसानों के लिए पशुपालन की गतिविधि को एक अतिरिक्त स्त्रोत के रूप में बढ़ावा दिया गया है।

पिछले 9 वर्षों के दौरान केंद्र सरकार द्वारा कृषि के लिए बजट आबंटन में अभूतपूर्व वृद्धि की गई है। वर्ष 2015-16 में कृषि बजट के लिए 25,460 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था, जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 138,551 करोड़ रुपए का हो गया है। वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री किसान योजना प्रारम्भ की गई थी। इसके अंतर्गत प्रतिवर्ष 6,000 की राशि, तीन समान किश्तों में, पात्र किसानों के बैंक खातों में सीधे ही केंद्र सरकार द्वारा जमा कर दी जाती है। देश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को भी सफलतापूर्वक लागू किया गया है। प्राकृतिक आपदा में फसल बर्बाद होने की स्थिति में बीमा कम्पनी द्वारा पीड़ित किसानों को हुए आर्थिक नुकसान की क्षतिपूर्ति की जाती है। इससे भारतीय किसानों का आत्म विश्वास बढ़ा है। कृषि क्षेत्र के लिए संस्थागत ऋण के लक्ष्य में अभूतपूर्व वृद्धि की गई है। पशु पालन और मत्स्य पालन के लिए प्रतिवर्ष 4 प्रतिशत ब्याज पर रियायती संस्थागत ऋण किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है। जिससे इन गतिविधियों में किसानों की लाभप्रदता बढ़ी है।

किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से समस्त प्रधानमंत्री किसान योजना के लाभार्थियों को किसान क्रेडिट कार्ड योजना से जोड़ दिया गया है। विभिन्न उत्पादों का न्यूनतम समर्थन मूल्य उत्पादन लागत के डेढ़ गुने तक तय किया जा रहा है। भारत में जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है जिसके कारण कीटनाशक दवाओं एवं उर्वरकों का कम इस्तेमाल होने लगा है एवं इससे किसानों के लिए कृषि पदार्थों की उत्पादन लागत कम हो रही है।

इसी प्रकार, राष्ट्रीय कृषि मंडी (ई-नाम) की स्थापना भी केंद्र सरकार द्वारा की गई है। इससे किसानों को अपने उत्पाद बेचने के लिए बेहतर बाजार मिला है। कृषि उपज लाजिस्टिक्स में सुधार करते हुए किसान रेल की शुरू आत भी की गई है। इससे फल एवं सब्जी जैसे पदार्थों के नष्ट होने की आशंकाएं कम हो गई हैं। देश में कृषि और संबंध क्षेत्र में स्टार्ट अप ईको सिस्टम का निर्माण भी किया जा रहा है। उत्पादकता एवं उत्पादन बढ़ाने के स्थान पर अब किसान की आय बढ़ाने हेतु नीतियों का निर्माण किया जा रहा है। किसानों को 'प्रति बूंद अधिक फसल' के सिद्धांत का पालन करते हुए, सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस संबंध में सूक्ष्म सिंचाई कोष का गठन भी किया गया है।

किसान उत्पादक संगठनों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है ताकि किसान अपनी फसलों को उचित दामों पर बाजार में बेच सकें एवं इस संदर्भ में बाजार में प्रतियोगी बन सकें। कृषि क्षेत्र के यंत्रीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि किसान इस मिट्टी में उसी फसल को उगाए जिसकी उत्पादकता अधिक होने की सम्भावना हो। भारत में विभिन्न कृषि उत्पादों के उत्पादन में अतुलनीय वृद्धि के चलते अब भारत के किसान विभिन्न कृषि उत्पादों का निर्यात भी करने लगे हैं। भारतीय कृषि उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार बढ़ रही मांग के चलते अब किसानों को इन उत्पादों के निर्यात से अच्छी आय होने लगी है। केंद्र सरकार ने कृषि उत्पादों के देश से निर्यात संबंधी नियमों को आसान किया है। केंद्र सरकार के इन उपायों से वृद्धि हुई है और किसानों की आय में पर्याप्त सुधार हो रहा है। आगे भी इस तरह के प्रयास जारी रहने से खेती-किसानी की हालत सुधरेगी।

पंद्रह दिवसीय मिशन शक्ति अभियान के तहत चौपाल लगाकर महिलाओ को किया गया जागरूक

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। पंद्रह दिवसीय मिशन शक्ति अभियान के तहत अभियान के अंतिम दिन लखनऊ के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चौपाल लगाकर महिलाओं को जागरूक किया गया। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर लखनऊ पुलिस के अधिकारी व कर्मचारीगणों द्वारा लगातार ग्राम पंचायत भवनों, गांवो, कस्बों एवं मोहल्लों में विभिन्न स्थानों पर आयी महिलाओं को मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत चौपाल लगाकर हेल्प लाइन नं0–1090,181,112,1076 एवं महिला हेल्प डेस्क आदि के बारे में जागरूक करते हुए शासन द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। साथ ही साथ आशा बहू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं शिक्षामित्रों को व्हाट्सप ग्रुप में जोड़ने हेतु लगातार नम्बरों का आदान प्रदान किया जा रहा है जिससे महिलाओं एवं युवतियों को शासन द्वारा प्राप्त होने वाले जनकल्याणकारी योजनाओं लाभों की जानकारी उपलब्ध करायी जा सके। इसी क्रम में जनपद में पड़ने वाले कुल 52 थानों में महिला बीट 365 में नियुक्त महिला आरक्षी द्वारा महिला सम्बन्धित प्राप्त प्रार्थना पत्र कुल 1367 में लगातार गांव व बीट में भ्रमण कर 979 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया जा चुका है तथा 1984 स्थानों पर महिला पुलिस अधिकारी द्वारा चौपाल लगाकर महिलाओं बालिकाओं को जागरुक किया गया, जिसमें 37577 लोगों ने प्रतिभाग लिया गया जिनमें से सरकार द्वारा प्रदान किये गये योजनाओं के लाभ के लिए 1271 आवेदन प्राप्त हुए जिन्हे शीघ्रतापूर्ण निस्तारण कराया जा रहा है। मिशन शक्ति अभियान के मद्देनजर 2889 महिलाओं को लाभान्वित कराया गया है तथा वाट्सअप ग्रुप बनाकर 10317 महिलाओं को ग्रुप में जोड़ा जा चुका है।

जिला अधिकारी चांदनी सिंह एवं पुलिस अधीक्षक ईराज राजा ने अवर अभियंता व अधिशासी अभियंता विद्युत के साथ बैठक कर दिए आवश्यक निर्देश

खबर दृष्टिकोण संवाददाता

उरई जालौन। दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंधक निदेशक अमित किशोर जिलाधिकारी चांदनी सिंह पुलिस अधीक्षक ईरज राजा ने अवर अभियंता व अधिशासी अभियंता विद्युत के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंधक निदेशक अमित किशोर ने विद्युत विभाग से संबंधित विभिन्न बिंदुओं जैसे कि विद्युत आपूर्ति में आ रही कठिनाइयों को दूर करने हेतु भारत सरकार की वेवेल योजना के तहत कार्रवाई करने एवं आबादी के अनुसार हर घरों में कनेक्शन ना होने के कारण जीवन स्तर में सुधार करने हेतु घर घर कनेक्शन किए जाने की कार्य योजना की विस्तृत समीक्षा की गई उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं अभियंताओं को निर्देशित किया कि जनपद में आवासीय परिवारों का सन सहायता समूह विद्युत सखी पंचायत सहायकों आदि के माध्यम से ग्राम पंचायतवार सर्वे करवाया जाएगा जिससे आवासी परिवारों द्वारा किए जा रहे विद्युत उपयोग का पता चल सके उन्होंने महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करते हुए जनपद के जालौन विकासखंड में समर्थ मीटर रीडिंग में संबंधित कार्यों को विद्युत सखियों एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा कराए जाने के निर्देश दिए उन्होंने विद्युत विभाग द्वारा जारी आरती की वसूली हेतु प्रभावी कार्यवाही करते हुए तहसीलदारों एवं संबंधित को निर्देशित किया उन्होंने विद्युत विभाग के समस्त अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधि अधिकारी व आम नागरिकों द्वारा फोन किया जाता है लेकिन आप द्वारा फोन रिसीव नहीं किया जाता है आप अपने कार्य प्रणाली में सुधार करते हुए सभी लोगों का फोन रिसीव अवश्य करें शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाए उन्होंने स्टोर अधिशासी अभियंता विद्युत प्रथम को कार्य में लापरवाही बरतने पर स्पष्टीकरण मांगा उन्होंने कहा कि जनपद के सामान की पर्याप्त उपलब्धता है आम नागरिकों को अनावश्यक परेशान न किया जाए सरलता पूर्वक स्टोर रूम से सामान उपलब्ध कराया जाए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर खराब होने की सूचना मिलते ही शहरी क्षेत्र में 24 घंटे वा ग्रामीण क्षेत्र में 48 घंटे बदलने का प्रावधान है आप को निर्देशित किया जाता है कि जनपद में ट्रांसफार्म की उपलब्धता पर्याप्त है शहर में 2 से 3 घंटे के अंतराल में ट्रांसफार्मर बदलना सुनिश्चित करेंगे उन्होंने मोटो कारला एजेंसी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में जर्जर तार व पुल का गुणवत्ता से कार्य किया जाए गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा आप द्वारा कराए जा रहे कार्य अगर बरती गई लापरवाही तो एफ आई आर भी आपके विरुद्ध की जाएगी ताकि आपको ब्लैक लिस्ट भी किया जाएगा

यूपी में बनेगा मेगा टैक्सटाइल पार्क, प्रधानमंत्री मोदी करेंगे उद्घाटन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश को अगले कुछ साल में एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में प्रयासरत राज्य सरकार एक मेगा टैक्सटाइल पार्क बनाने की योजना पर काम कर रही है। यह एक बड़ी परियोजना होगी जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। राज्य के केबिनेट मंत्री राकेश सचान ने यह बात कही। देश के अग्रणी वाणिज्य एवं उद्योग मंडल एसोचौम द्वारा लखनऊ में आयोजित दो दिवसीय उत्तर प्रदेश एमएसएमई सम्मेलन 2023 का उद्घाटन करते हुये सचान ने कहा हरदोई– कानपुर के बीच एक पीएम मित्र पार्क जो कि एक टैक्सटाइल पार्क होगा उसकी शुरूआत होगी। यह एक बड़ी परियोजना होगी जिसकी अगले एक– दो महीने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरूआत की जा सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को आगे बढ़ाने और वित्तीय सुविधा और मार्केटिंग सहित उनकी समस्याओं के निदान के लिये हर क्षेत्र में प्रयास कर रही है। छोटे उद्यमों के समक्ष पैकेजिंग की बड़ी समस्या है। अच्छी पैकिंग उनके उत्पादों के अच्छे दाम दिला सकती है। इसलिये राज्य सरकार का प्रयास है कि लखनऊ में पैकेजिंग का भी एक संस्थान खोला जाए।

उन्होंने कहा ''मल्टी मॉल के क्षेत्र में भी हम काम कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में तीन मल्टी मॉल खोले जाने के बारे में चर्चा हुई है। केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ हमारी बातचीत हुई है। उत्तर प्रदेश में तीन मल्टी माल –बनारस, लखनऊ और गोरखपुर में बनाए जाने का प्रस्ताव रखा गया है। सचान ने कहा कि राज्य में ज्यादा एमएसएमई पंजीकरण कराने आगे आयें इसके लिये उन्हें प्रोत्साहन दिया जा रहा है। राज्य सरकार एमएसएमई को पांच लाख रूपये तक का दुर्घटना बीमा दे रही है इसके बाद से जून के महीने में ही अब तक 1.35 लाख नये एमएसएमई पंजीकरण राज्य में हुये हैं। पंजीकृत उद्यमों को बैंकों और संस्थानों से वित्तीय सुविधा मिलने में आसानी होती है, इसलिये राज्य सरकार एमएसएमई को पंजीकरण के लिये प्रोत्साहन दे रही है। उत्तर प्रदेश में कार्यरत कुल 90 लाख से अधिक एमएसएमई में से केवल 14 लाख छोटे उद्यमों का ही पंजीकरण है।

शिक्षित–गैर विवादित उम्मीदवारों की तलाश में बसपा के सिपहसालार

लखनऊ (संवाददाता)। लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों में बसपा ने ताकत लगानी शुरू कर दी है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी कोआर्डिनेटरो को निर्देश दिए हैं कि अभी से उम्मीदवार तलाशने शुरू करें। खास तौर पर गैर विवादित व शिक्षित लोगों को ही उम्मीदवार बनाया जाए। इसके अलावा यह भी यह भी ध्यान दिया दें कि उम्मीदवार आपराधिक प्रवृति के न हों। सभी कोआर्डिनेटरों ने यह तलाश शुरू कर दी है। बसपा विधानसभा चुनाव की गलतियों को दोहराना नहीं चाहती है। विधानसभा चुनाव में बसपा की ऐसी दुर्गति हुई कि उसका बस एक ही उम्मीदवार जीत पाया। यही कारण है कि इस बार उम्मीदवार चयन में फूंक फूंक पर कदम रखने को कहा गया है। बसपा प्रमुख मायावती ने हाल ही में सभी कोआर्डिनेटरों की बैठक की है। सभी को संगठन मजबूती के लिए कहा गया है। निर्देश दिए गए हैं कि बूथ कमेटियों तक को पूरी तरह से मजबूत किया जाए। खास तौर पर युवाओं को जोड़ा जाए। साथ ही महिलाओं को भी संगठन से जोड़ा जाए। इसके अलावा उम्मीदवारों के चयन पर फोकस किया गया। उसी आधार पर अब बसपा कोआर्डिनेटरों ने उम्मीदवारों की तलाश शुरू कर दी है।विधानसभा चुनाव में बसपा ने मुस्लिमों को साधने की पूरी कोशिश की थी। भले ही इस फार्मूले से बसपा को सफलता न मिल पाई पर लोकसभा चुनाव में भी बसपा का फोकस दलित मुस्लिम समीकरणों पर ही है। बसपा थिंक टैंक का मानना है कि यदि मुस्लिम और दलित एक साथ आ गए तो वास्तव में बसपा को एक बड़ी सफलता मिल सकती है। एक आधार तैयार हो सकता है। चूंकि अब बसपा का दलित वोटर भी खिसकने लगा है तो बसपा को एक मजबूत आधार की तलाश है।

कार्यभार ग्रहण न करने वाले ८८ असिस्टेंट प्रोफेसरों को नोटिस

लखनऊ (संवाददाता)। विभिन्न राजकीय मेडिकल कॉलेजों में दो साल के अंदर हुई करीब ढाई सौ असिस्टेंट प्रोफेसरों में 88 ने अब तक कार्यभार ग्रहण नहीं किया है। इन सभी को महानिदेशक ने अंतिम नोटिस जारी किया है। इन्हें चेतावनी दी गई है कि छह जुलाई तक कार्यभार ग्रहण नहीं किया तो उनकी नियुक्ति रद्द कर दी जाएगी। इन असिस्टेंट प्रोफेसरों की लोकसेवा आयोग से वर्ष 2021 से मई 2023 के बीच नियुक्ति हुई थी। इन्हें मेडिकल कॉलेज आवंटित कर दिया गया। जून में संबंधित कॉलेजों में भेजे गए असिस्टेंट प्रोफेसरों की सूची तैयार की गई। इस दौरान पता चला कि 88 ने कार्यभार ही ग्रहण नहीं किया है। अब इन सभी को चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशक किंजल सिंह ने नोटिस भेजा है। इन्हें चेतावनी दी है कि छह जुलाई तक कार्यभार ग्रहण करने का अंतिम मौका दिया जा रहा है। इस तिथि तक कार्यभार ग्रहण नहीं किया तो नियुक्ति निरस्त कर दी जाएगी। संबंधित पद के लिए आयोग को अलग से अधियाचन भेज दिया जाएगा।

कांग्रेस शुरू करेगी भारत जोड़ो बुनकर सम्मेलन अवध व पूर्वांचल पर खास नजर

लखनऊ (संवाददाता)। कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों को जोड़ने की मुहिम शुरू कर दी है। चाय पर चर्चा के बाद अब जुलाई में भारत जोड़ो बुनकर सम्मेलन आयोजित करने की तैयारी है। इसके जरिए बुनकरों की बदहाली का मुद्दा उठाया जाएगा। यूपीए सरकार में बुनकरों को दी गईं सहूलियतों से भी वाकिफ कराया जाएगा। सम्मेलन के जरिए खासतौर से अवध और पूर्वांचल में वोटबैंक बढ़ाने की कवायद की जाएगी। सम्मेलन में बुनकरों के पते और मोबाइल नंबर भी इकट्ठा किए जाएंगे, ताकि उन तक निरंतर पार्टी की पहुंच बनी रही। प्रदेश में गोरखपुर, मऊ, आजमगढ़, अंबेडकरनगर, मेरठ, मिर्जापुर, भदोही, चंदौली, वाराणसी, बस्ती, महराजगंज, देवरिया, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर सहित विभिन्न जिलों में क्षेत्रवार बुनकरों की अच्छी आबादी है। भाजपा पसमांदा मुस्लिमों को जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रम कर रही है।

खबर एक नजर में

मामूली विवाद पर बाइकसवार दबंगो ने गृहस्वामी को पिटा , पिटाई से गृहस्वामी का पैर टुटा

खबर दृष्टिकोण आलमबाग। कृष्णा नगर कोतवाली क्षेत्र में चार दिन पूर्व अपने घर के बाहर गैस सिलेंडर उतरवा रहे गृहस्वामी पर वहां से गुजर रहे मोटरसाइकिल सवार दो युवको ने मामूली बात पर हमला बोल दिया जिससे गृहस्वामी का पैर टूट गया। परिजनों ने लोकबंधु अस्पताल इलाज कराने के बाद स्थानीय थाने पर लिखित शिकायत की है। पुलिस ने शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के 120, मालवीय इस्टेट विनयनगर निवासी अनीता यादव के मुताबिक बीते 22 जून को उसके पति घर के सामने सिलेंडर उतार घर के अंदर रखवा रहे थे इस दौरान यूपी 32 एचयू 5594 मोटरसाइकिल से गुजरे दो अधेड़ उम्र के व्यक्तियों ने गाली देना शुरू कर दिया पति ने विरोध किया तो व्यक्ति मोटरसाइकिल खड़ी कर ललकारते हुए मारपीट पर आमादा हो गए और उसकी पति पर हमला बोल दिया पत्नी ने बीच बचाव किया तो उसे भी धक्का दे गिरा दिया और देख लेने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़िता पति को इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल ले गई जहाँ उसके पति के एक पैर की दो जगहों से हड्डी टूट गई। पत्नी की शिकायत पर कृष्णा नगर पुलिस ने मोटरसाइकिल नंबर आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुटी है।

नाबालिक को बहला फुसलाकर भगा ले जाने एवं दुष्कर्म मामले आरोपी को मिला 20 वर्ष का कठोर कारावास

जीआरपी चारबाग द्वारा मुकदमा दर्ज कर भेजा गया था जेल

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। लखनऊ जीआरपी चारबाग द्वारा नाबालिक को बहला फुसला कर भगा ले जाने एवं दुष्कर्म करने के मामले में जेल में निरुद्ध चल रहा आरोपी वसीम उर्फ छोटू पुत्र अयूब निवासी लवखाडी थाना भवानीपुर जनपद पूर्णिया राज्य बिहार को सोमवार को एडीजे पॉक्सो द्वितीय, लखनऊ द्वारा चली फास्ट कोर्ट सुनवाई में समस्त गवाहों सरकारी गवाहों के बयान दर्ज होने बाद मात्र पांच वर्षो में आरोपी को दोषी करार करते हुए धारा 363 भादवि मे 03 वर्ष का कारावास व 3000 रुपये अर्थदण्ड, धारा 366 भादवि मे 05 वर्ष का कारावास व 5000 रूपये अर्थदण्ड व धारा 376 भादवि मे 20 वर्ष का कारावास व दस हजार रुपये के अर्थ दण्ड से दण्डित करते हुए सजा सुनाया गया है।

किराये के मकान में जिस्म फरोशी का धंधा

देह व्यापार की शिकायत पर एसीपी समेत स्थानीय पुलिस ने मारा छापा

मौके से आपत्तिजनक हालत में मिली 4 युवतियां व एक युवक

खबर दृष्टिकोण आलमबाग ।आशियाना थाना क्षेत्र में महिला द्वारा की गई देहव्यापार की शिकायत पर पुलिस ने सोमवार को सेक्टर जी में छापेमारी की तो मौके से आपत्तिजनक हालत में 4 युवतियों और एक युवक को हिरासत में लिया गया। सोमवार देर रात तक सभी से छापेमारी जारी रही। आशियाना के सेक्टर जी की रहने वाली महिला ने बीते दिनों थाने में देह व्यापार की शिकायत की थी। महिला का आरोप था कि सेक्टर जी में कुछ अराजकतत्व एक किराए का मकान लेकर देह व्यापार का धंधा कर रहे हैं। आए दिन मकान में युवती व युवतियों का आना जाना लगा रहता था। थाने की तरफ से कोई कार्रवाई नही हुई तो महिला ने पुलिस के उच्चाधिकारियों से शिकायत की। जिसके बाद सोमवार को उस मकान में छापेमारी की गई। एसीपी कैंट अभिनव कुमार ने बताया कि उनकी मौजूदगी में आशियाना पुलिस ने छापेमारी की तो मौके से 4 लड़कियां और एक लड़का आपत्तिजनक हालत में मील। सभी को थाने लाया गया और उनके गिरोह के बारे में पूरी जानकारी जुटाई जा रही है।

किसान के घर धावा बोलकर बैखोफ चोरो ने नगदी व जेवरात उड़ाये

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के खुजौली गांव में बैखोफ चोरो ने किसान के घर धावा बोलकर हजारो की नगदी व लाखो रूपये कीमत के जेवरात चुरा ले गये ।किसान की पत्नी की तहरीर पर पुलिस अज्ञात चोरो पर मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुट गयी हैं। मोहनलालगंज के खुजौली गांव निवासी कादिर अली की पत्नी राफिया बानो ने पुलिस से शिकायत करते हुये बताया उनके घर में चोरो ने बीते शुक्रवार की देर रात कमरे में रखी अलमारी का लांक तोड़कर लाखो रुपये कीमत के सोने–चांदी के जेवरात व 35हजार रूपये की नगदी चुरा ले गये,शनिवार की सुबह परिजन सोकर उठे तो कमरे में सामान बिखरा देखा तो उन्हे चोरी की घटना का पता चला जिसके बाद पुलिस को सूचना दी ।तब जाकर मौके पर पहुंची पुलिस जांच –पड़ताल कर वापस लौट आयीघ।अतिरिक्त इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार गौतम ने बताया पीड़िता की तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरो के विरूद्व मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गयी है।

नशे की हालत में कबाड़ी ने खुद को चोटिल कर फांसी लगा दी जान

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। पारा थाना क्षेत्र में झोपड़पट्टी में रहने वाले एक कबाड़ी ने रविवार नशे की हालत में गुम्मे से खुद को चोटिल कर दुपट्टे से फांसी का फंदा बना आत्महत्या कर लिया सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है द्य आसाम निवासी वर्तमान में बंगला बाजार में रहने वाला मैदूल इस्लाम पुत्र मो०अब्दुल हक के मुताबिक उसका मृतक भाई सैदुल इस्लाम (40) देवपुर पारा में झोपड़ पट्टी में रहकर कबाड़ी का काम करता था। परिवार में एक बेटी है।

यूपी में सेवा कार्यो के जरिए अपनी जड़ें मजबूत करेगा संघ

लखनऊ (संवाददाता)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने राजधानी लखनऊ में पूर्वी क्षेत्र के प्रचारकों के साथ बैठक की। इसमें उन्होंने संघ के विस्तार और सेवा कार्यों के जरिये लोगों को जोड़ने पर मंथन किया। निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में हुई बैठक में आदिवासी क्षेत्रों में संघ के सेवा कार्यों के साथ दलित बस्तियों में सामाजिक समरसता के कार्यक्रमों को बढ़ाने पर मंथन हुआ। बैठक में होसबाले ने पूर्वी क्षेत्र के अवध, कानपुर, गोरक्ष और काशी प्रांत में संघ के संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने संघ की शाखाओं, मिलन कार्यक्रमों सहित अन्य गतिविधियों को बढ़ाने पर भी चर्चा की। बैठक में संघ के आगामी शताब्दी वर्ष तक प्रत्येक न्याय पंचायत तक शाखा की स्थापना करने, पिछड़े व दलित वर्ग की उन सभी जातियों को संघ से जोड़ने पर भी चर्चा हुई।

अपने छोटे बच्चों को स्कूल भेजना और उसके सुनहरे भविष्य की कामना करना हर माता-पिता का हक होता है। अपने बच्चे के जन्म से ही वह उसके भविष्य के बारे में सोचने लगते हैं। प्री-स्कूलिंग, कॉलेज सब तय हो गया होता है, लेकिन विशेषज्ञों का दावा किसी और ही तरफ इशारा करता है। उनके अनुसार कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गलत असर डालता है।

मेंटल और फिजिकल हेल्थ के लिए बुरा हो सकता है, कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना

बच्चों को प्री–स्कूलिंग के लिए भेजना हर पेरेंट्स के लिए काफी बड़ा कार्य होता है। यह पहली बार होता है उनका नन्हा–सा बच्चा अपने जीवन को सुधारने और उससे नई चीजों को सीखने के लिए वास्तविक दुनिया में कदम रखता है। स्कूलिंग के दौरान मिलने वाली औपचारिक शिक्षा उसे उसके सुनहरे भविष्य के लिए तैयार करती है। हम में से अधिकांश लोगों का मानना है कि यदि आपका बच्चा इसके लिए तैयार है, तो उसे प्री–स्कूल में एडमिशन दिलाने का कोई सही या गलत समय नहीं है, लेकिन विशेषज्ञ वास्तव में इससे सहमत नहीं हैं। एक अध्ययन के अनुसार, भले ही आपका बच्चा प्रतिभाशाली हो और उसमें जल्दी सीखने की कौशलता हो, फिर भी उन्हें बहुत जल्दी स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। रिसर्चरों का कहना है कि आपका अपने बच्चों को प्री–स्कूल जल्दी भेजने का आग्रह स्वाभिक है, लेकिन अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही समय का इंतजार करना ही बेहतर होगा।

बच्चों को जल्दी स्कूल भेजना इसलिए होता है हानिकारक नए अध्ययन के शोधकर्ता सलाह देते हैं कि माता–पिता किंडरगार्टन में अपने साथियों के साथ अपने बच्चों की उम्र पर विचार करें। एक बड़ा अंतर आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। एक नए अध्ययन के अनुसार, जो बच्चे अपने साथियों से छोटे होते हैं (स्कूल शुरू करने के लिए न्यूनतम आयु कट–ऑफ के करीब), वह कक्षा में खराब प्रदर्शन करते हैं और उन्हें साथियों की तुलना में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। इंग्लैंड में यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर मेडिकल स्कूल के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन से पता चला है कि बहुत जल्दी स्कूल शुरू करना आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

स्टडी क्या कहती है

अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं की टीम ने एक मौजूदा अध्ययन से एकत्र किए गए डेटा का उपयोग किया, जिसे ''स्कूल अध्ययन में सहायक शिक्षक और बच्चे'' कहा जाता है। यह अध्ययन डेवोन, इंग्लैंड के 80 विभिन्न स्कूलों के 2,075 प्राथमिक विद्यालय के पांच से नौ वर्षों के छात्रों पर किया गया था। अध्ययन में माता–पिता और शिक्षकों से पूछे गए सवालों की एक श्रृंखला शामिल थी, जिससे यह पता चला कि जल्दी स्कूल भेजने से बच्चों में चिंता और भय, अपने साथियों के साथ खराब संबंध, व्यवहार और एकाग्रता के मुद्दों जैसी नकारात्मक भावनाएं जन्म लेती हैं।

परिणाम क्या निकला

अध्ययन के अंत में, यह निष्कर्ष निकाला गया कि छोटे बच्चों में उनके साथियों की तुलना में खराब मानसिक स्वास्थ्य होने की संभावना अधिक होती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कम उम्र में बड़े साथियों के साथ रहना थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। समस्या उन बच्चों में विशेष रूप से प्रमुख थी जो नई चीजें सिखने में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे और समय से पहले पैदा हुए थे। यह खोज माता–पिता को इस बारे में विचार करने में मदद कर सकती है कि औपचारिक शिक्षा सेटिंग में बच्चे का नामांकन कब करना है, ताकि उनके स्वास्थ्य के लिए कुछ भी हानिकारक सिद्ध नहीं हो।

एडमिशन की सही उम्र

ज्यादातर लोगों का मानना है कि जितनी जल्दी वह अपने बच्चों को स्कूल भेजेंगे, उनके लिए उतना ही अच्छा होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा शुरू करने के लिए 3 साल एक आदर्श उम्र है। हालांकि, अपने बच्चे को स्कूल भेजने से पहले आपको कुछ बातों पर ध्यान देना चाहिए।

- उन्हें शौचालय प्रशिक्षित होना चाहिए।
- वह थोड़े समय के लिए स्थिर बैठ सकते हैं।
- वह अपने माता–पिता से दूर आराम से समय बिता सकते हैं।
- वह अपनी जरूरतों को बता सकते हैं और दूसरों की बातें सुन सकते हैं।

आपके किचन में मौजूद है सन टैन हटाने के आसान नुस्खे

अगर आप भी बीच पर छुट्टियां बिताकर हॉलिडे की यादों के साथ–साथ सन टैन लेकर लौटी हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं। गर्मियों में कितना भी धूप से बचो, सन टैन हो ही जाता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं सन टैन रिमूवल के कुछ तरीके, जिन्हें आप घर पर ही आजमा सकती हैं। खास बात ये कि ये चीजें आपके किचन में ही मिल जाएंगी.

खीरे की फ्रेश स्लाइस

खीरे की फ्रेश स्लाइस लें। इसे फेस के साथ–साथ सन टैन प्रभावित क्षेत्रों पर हल्के हाथों से रगड़ें। लगाने के बाद तकरीबन 10 मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें और फिर पानी से धो लें। टैनिंग दूर हो जाएगी।

हल्दी, बेसन और दही का पैक

दो चम्मच बेसन, दो चम्मच हल्दी पाउडर और दो

चम्मच दही लें और इन सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण को अपने फेस और सन टैन प्रभावित बॉडी पार्ट्स पर लगाएं। तब तक लगा रहने दें, जब तक वह पूरी तरह से सूख न जाए। जब सूख जाए, तो पानी से धो लें।

शहद और नींबू का पैक

दो चम्मच शहद और एक चम्मच नींबू का रस लें। इसे मिक्स करके तकरीबन 15 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। अब पानी से धो लें। टैनिंग दूर करने का यह सबसे आसान तरीका है।

कच्चा दूध

थोड़ा सा कॉटन ले लें और बिना उबले हुए कच्चे दूध में कॉटन को भिगोएं और इसे फेस पर लगाएं। इसे 10 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। फिर चेहरे को पानी से धो लें।

बच्चे का वेट बढ़ने में पैरंट्स का होता है इंपॉर्टेंट रोल

अक्सर ही खुद और बच्चे के वेट को लेकर टेंशन हो जाती है कि लगातार वजन कैसे बढ़ता ही जा रहा है लेकिन क्या आप जानते हैं कि बच्चे के वेट बढ़ने में पैरंट्स का इंपॉर्टेंट रोल होता है। हाल ही में इसपर एक स्टडी भी सामने आई। आइए जानते है.

अक्सर ही यह देखा गया है कि परिवार में अगर कोई एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है तो दूसरों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। हालांकि अधिकतर यह पैरंट्स और बच्चों में देखने को मिलता है। यानी कि जिन पैरंट्स का वेट ज्यादा होता है उनके बच्चों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। वहीं पैरंट्स इस बात को लेकर खासे परेशान नजर आते हैं कि कैसे बच्चे का वजन कम हो। हाल ही में ऐसे मामलों पर की गई स्टडी से यह बात सामने आई है कि कैसे अपनी लाइफस्टाइल में कुछ तब्दीलियां लाकर पैरंट्स अपने साथ ही बच्चों के वेट बढ़ने पर नियंत्रण कर सकते हैं। स्टडी के मुताबिक पैरंट्स बच्चों को जो भी खिलाते हैं बच्चे वह खाते जाते हैं। इससे उनका वजन बढ़ने लगता है। लेकिन अगर आप अपने बच्चे को हेल्दी खाने और अच्छी आदतों के अनुसार ढालते हैं तो वह वजन बढ़ने की समस्या से निजात पा सकता है। शोधकर्ताओं ने इसके लिए (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सरसाइज) रिसर्च किया। यानी कि खाने और एक्सरसाइज के जरिए बच्चों और उनके पैरंट्स को बढ़े हुए वजन को नियंत्रित या कम करने के लिए प्रेरित किया। इस बारे में अमेरिका के लुसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के रिसचर्स केली हॉकिन्स और कॉर्बी के मार्टिन कहते हैं कि बच्चों पर सबसे ज्यादा प्रभाव उनके माता–पिता का ही पड़ता है।

रिसर्च में 16 परिवारों पर हुई स्टडी

पैरंट्स और उनके बच्चों के बढ़ते वजन को कैसे नियंत्रित और कम किया जा सके इसके लिए 16 परिवारों को 19 सप्ताह तक ऑब्जर्व किया गया। हालांकि इस दौरान उन्हें अपनी और बच्चों की लाइफस्टाइल में शामिल करने की बात कही गई थी। इसके बाद स्टडी में 2 से 6 साल के बच्चों का बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) 75प्रतिशत से अधिक पाया गया। बता दें कि (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) के सेशन्स में यह बात सामने आई कि इसमें नियमित स्नैक और खाने के साथ ही फिजिकल ऐक्टिविटीज के होने से बच्चों के बीएमआई में कमी देखी गई। साथ ही उनका वजन भी नियंत्रित था। वहीं पैरंट्स के वजन में भी थोड़ी तब्दीलियां देखने को मिलीं। लेकिन जिन बच्चों को ड्राइव के सेशन में शामिल नहीं किया गया केवल जानकारी ही दी गई थी उनके वजन में वृद्धि दर्ज की गई। शोधकर्ताओं के मुताबिक संयमित, नियमित खानपान और एक्सर्साइज से खुद और बच्चे दोनों के ही वजन को नियंत्रित किया जा सकता है।

बालों से डैंड्रफ दूर करने के लिए लगाएं टमाटर का जूस

टमाटर प्रकृति का दिया एक ऐसा उपहार हैं जो एंटीऑक्सीडेंट्स और विटमिन से भरपूर है। टमाटर खाना सेहत ले लिए लाभदायक है और इसे चेहरे पर लगाने से स्किन हेल्दी बनती है। इतना ही नहीं अगर आप इसे अपने बालों पर लगाएंगे तो रुखे और बेजान बाल चमकदार और रेशमी हो जाएंगे। आइए, यहां जानते हैं कि टमाटर का जूस बालों पर लगाने से क्या–क्या फायदे होते हैं.

- टमाटर का जूस बालों पर लगाने से बालों का टेक्चर स्मूद होता है और बालों की शाइनिंग में बढ़ती है।
- टमाटर का जूस बालों में पीएच लेवल बैलंस करता है, जिससे रुखे और बेजान बालों में वॉल्यूम आ जाता है।
- टमाटर में बड़ी मात्रा में विटमिन ए और विटमिन सी होता है। इसके जूस को बालों पर लगाने से बालों की स्कल्प को मजबूती मिलती है।
- टमाटर का जूस लगाने से बालों में मजबूती आती है और बाल जल्दी से दोमुहे नहीं होते हैं। साथ ही ग्रोथ अच्छी बनी रहती है।

ऐसे बनाएं कंप्लीट पैक

अगर आपके बालों में डाईनेस बहुत ज्यादा हो गई है और डैंड्रफ से भी परेशान हैं तो टमाटर के जूस में शहद मिलाकर हेयर मास्क बनाकर बालों पर लगाएं। आधा घंटा लगाए रखने के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। हो सकता है लगाने के तुरंत बाद आपको सिर में हल्की जलन महसूस हो या खुजली हो लेकिन आप परेशान न हों। ऐसा टमाटर में एसिडिक प्रॉपर्टी होने के कारण होता है।

आज के जमाने में शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा जो डियोड्रेंट और परफ्यूम का इस्तेमाल न करता हो। फिर चाहे आपकी एज कुछ भी हो और आप महिला हों या पुरुष इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता, हर कोई चाहता है कि उसके शरीर से अच्छी स्मेल आए। ऐसे में रोज, लैवेंडर और फ्रूटी स्मेल से भरपूर डियोड्रेंट और परफ्यूम गर्मी के दिनों में पसीने की बदबू से लड़ने में मदद करते हैं।

घर में छोटे बच्चे हैं तो परफ्यूम और डियोड्रेंट यूज करते वक्त बरतें सावधानी

बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन न करने से नुकसान हालांकि इन परफ्यूम्स और डियोड्रेंट्स का इस्तेमाल करते वक्त जिस एक चीज का हम सब ध्यान नहीं रखते वह है बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन करना जो कई बार हानिकारक साबित हो सकता है। हाल ही में हुई एक स्टडी में यह बात साबित भी हो चुकी है कि बच्चों को लगने वाली चोट में 12.7 प्रतिशत चोटें पर्सनल केयर प्रॉडक्ट्स की वजह से लगती हैं जिनमें खुशबू और सुगंध से जुड़ी परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजें शामिल हैं। इस तरह की चीजें बच्चों के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हो सकती हैं इसलिए इनका इस्तेमाल करते वक्त माता–पिता को भी काफी सावधानी बरतनी चाहिए।

इन चीजों को छोटे बच्चों की पहुंच से दूर रखें

परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजों को बच्चों की पहुंच से बहुत दूर रखें क्योंकि अगर बच्चे गलती से भी इन्हें अपनी आंख, नाक, कान या मुंह में स्प्रे कर लें तो यह बच्चों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इतना ही नहीं अगर घर में बहुत ज्यादा छोटे बच्चे हैं तब भी पैरंट्स को बहुत ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए वरना बच्चों द्वारा इन चीजों की बॉटल, ढक्कन आदि चीजों को मुंह में लेने की वजह से चोकिंग का भी खतरा रहता है।

बच्चे अगर यूज करें तो सेहत से जुड़ी समस्याओं का खतरा

अगर आपके घर में 13 से 17 साल के बीच के किशोर हैं तो उनमें संगी–साथियों के प्रेशर की वजह से समस्याएं अलग होती हैं। बड़े बच्चे खुद भी अच्छा स्मेल करने के लिए इन प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहते हैं। ऐसे में छोटी उम्र में परफ्यूम या डियोड्रेंट का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने की वजह से बच्चों में फिजिकल हेल्थ से जुड़ी कई तरह की समस्याएं भी हो सकती हैं। साथ ही बच्चे बॉटल पर लिखे निर्देश पढ़े बिना इसे सीधे स्किन पर स्प्रे कर लेते हैं जिससे उन्हें स्किन ऐलर्जी, रिऐक्शन, अस्थमा और सांस लेने में दिक्कत जैसी कई समस्याएं भी हो सकती हैं।

एक्टिंग के साथ अब खेती भी करेंगी सुहाना खान!

अलीबाग में खरीदी की जमीन

शाहरुख खान की लाडली सुहाना खान काफी चर्चा में रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और वीडियोज साझा करती रहती हैं। सुहाना स्टारकिड्स में काफी मशहूर हैं और ग्लैमरस लुक्स पर सब फिदा रहते हैं। वह बहुत जल्द जोया अख्तर की द आर्चीज में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर और अगस्त्य नंदा भी नजर आने वाले हैं। अब खबर आ रही है कि सुहाना खान ने अलीबाग के थाल गांव में खेत खरीदा है, जिसकी कीमत करोड़ों में है। सुहाना खान यूं तो एक्टिंग की दुनिया में कदम रख चुकी हैं। लेकिन उन्होंने खेती-किसानी की ओर रुख करना भी शुरू कर दिया है। सुहाना खान ने खेती की जमीन के रजिस्ट्रेशन के कागजों में खुद को किसान बताया है। सुहाना खान के इस कदम ने हर किसी को हैरान कर दिया है कि वह आखिर करना क्या चाहती हैं। बता दें कि इस जमीन की कीमत 12 करोड़ 91 लाख रुपये है।

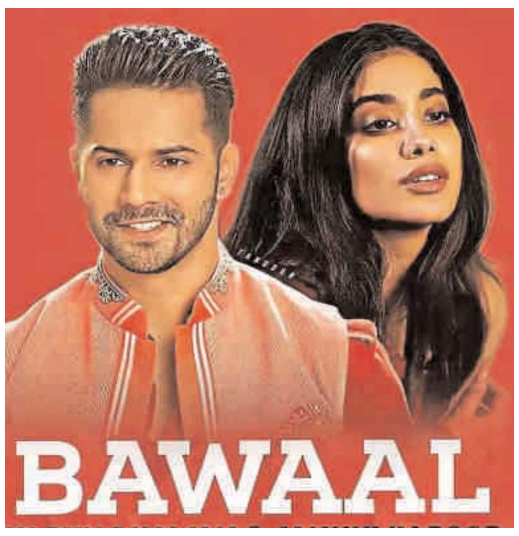

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन और जाह्नवी कपूर जल्द ही फिल्म बवाल में साथ नजर आने वाले हैं। हाल ही में इस फिल्म का पोस्टर और रिलीज डेट सामने आई थी। यह फिल्म जुलाई में प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली है। वहीं अब बवाल को लेकर नई अपडेट सामने आई है।

वरुण -जाह्नवी की बवाल का एफिल टॉवर पर होगा प्रीमियर

खबरों के अनुसार फिल्म बवाल का प्रीमियर एफिल टावर पर होगा। मेकर्स ने इस फिल्म के प्रीमियर को दुनिया के सात अजूबों में शामिल पेरिस के एफिल टावर पर दिखाने का फैसला किया है। इसके साथ ही यह भारतीय सिनेमा में इतिहास रच देगी। एफिल टावर पर प्रीमियर के बाद बवाल पहली ऐसी भारतीय फिल्म बन जाएगी, जिसका प्रीमियर दुनिया की किसी आइकॉनिक जगह पर हुआ है। एफिल टावर पर प्रीमियर के दौरान वरुण धवन, जाह्नवी कूपर और नितेश तिवारी मौजूद रहेंगे। एफिल टावर में प्रीमियर होने के बाद ही यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी। फिल्म बवाल का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है। फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला है। बताया जा रहा है कि बवाल वर्ल्ड वॉर 2 पर आधारित है।

शुरूआती दिनों में अमिताभ को

रिप्लेस कर दूसरे सितारों को लिया जाता था : प्रेम चोपड़ा

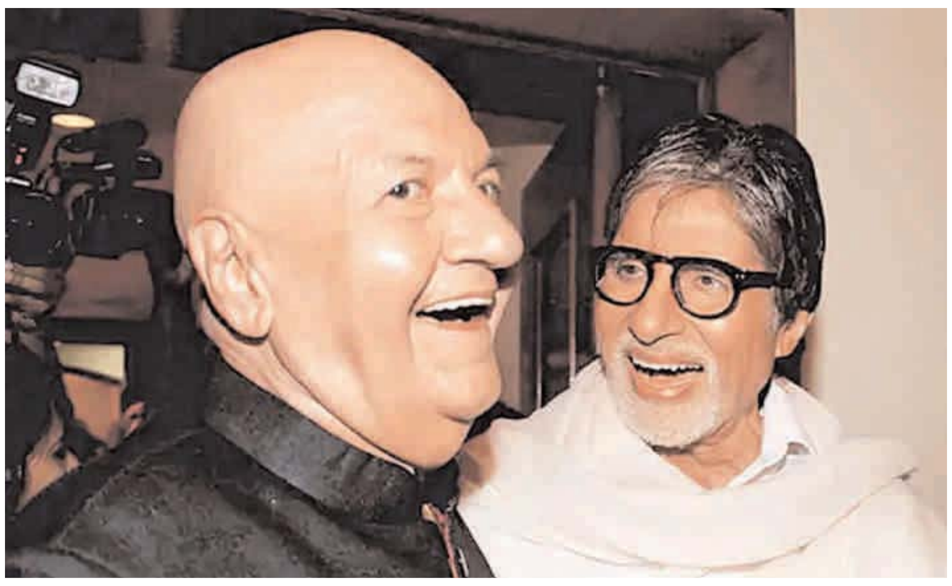

हिन्दी सिनेमा के वरिष्ठ अभिनेता प्रेम चोपड़ा, जो ज्यादातर फिल्मों में अपने खलनायक किरदारों के लिए जाने जाते हैं, ने हाल ही में दिए अपने एक साक्षात्कार में बताया कि कैसे मेगास्टार अमिताभ बच्चन शुरू में फिल्मों में मुख्य अभिनेता के रूप में अपनी पहचान नहीं बना सके। अभिनेता ने कहा, जब वह संघर्ष कर रहे थे, तो वह कोई भी भूमिका करने के लिए तैयार थे। मनोज कुमार की फिल्म में एक भूमिका थी, और वह उसे करने के लिए भी तैयार थे, लेकिन फिर यह नहीं बन पाया। शुरुआत में कुछ फिल्मों में उन्हें रिप्लेस कर दिया गया, क्योंकि निर्माता ने कहा कि यह एक व्यावसायिक व्यवसाय है और वह उसे हीरो के रूप में नहीं बेच सकते। लेकिन वह निराश नहीं थे, उन्होंने दृढ़ संकल्प किया था कि वह इसे हासिल करेंगे, चोपड़ा ने कहा। कथित तौर पर बच्चन को दुनिया का मेला (1974) में संजय खान द्वारा रिप्लेस किया गया था, और वह वही थे जो हृषिकेश मुखर्जी की गुड्डी में धर्मेंद्र की भूमिका निभाने वाले थे। अमिताभ और प्रेम चोपड़ा के बीच मधुर और गहरा रिश्ता है। एक पुराने इंटरव्यू में एक्टर ने बिग बी के बारे में कहा था, मैंने उनके साथ दो दर्जन से ज्यादा फिल्में की हैं। उस वक्त भी वह पूरी टीम मेंबर थे। उन्हें इस बात का कोई डर नहीं था कि वह बड़े स्टार हैं। जब वह सेट पर आते थे तो हमेशा अनुशासित, समय के पाबंद और अच्छी तरह से तैयार रहते थे। उन्होंने काम के साथ पूरा न्याय किया और अपने काम के प्रति बहुत समर्पित हैं। बिग बी और प्रेम चोपड़ा का रिश्ता कुछ समय पहले अपने जन्मदिन के अवसर पर, प्रेम चोपड़ा ने साझा किया था कि कैसे सीनियर बच्चन ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामना देने के लिए यात्रा की थी - वर्षों पहले, वह एक रेगिस्तान में शूटिंग कर रहे थे। उन्होंने मुझे जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए फोन बूथ ढूंढने के लिए काफी दूरी तय की। मैं बहुत प्रभावित हुआ। आज भी, वह मुझे मेरे जन्मदिन पर शुभकामना देने वाले पहले व्यक्ति हैं।

शहनाज गिल का सिद्धार्थ शुक्ला के बाद किसने तोड़ा दिल!

पंजाब की कैटरीना कैफ शहनाज गिल का बीते दिनों दुबई में जबरदस्त कंसर्ट हुई. इसमें एक्ट्रेस ने फैंस संग जमकर मस्ती की और सभी के साथ फोटोज भी खिंचवाई. इसी दौरान उन्होंने कुछ ऐसा कह दिया, जिसे सुनकर फैंस शॉक्ड रह गये.बॉलीवुड एक्ट्रेस शहनाज गिल अपनी मासूमियत के लिए जानी जाती हैं. एक्ट्रेस की क्यूटनेस पर फैंस फिदा हैं. सोशल मीडिया पर उनकी तगड़ी फैन-फॉलइंग है, जो उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं. बीते दिनों उन्होंने दुबई में लाइव म्यूजिक कंसर्ट किया, जिसमें एक्ट्रेस ने अपनी शानदार परफॉर्मेंस से धूम मचा दी. उनका शो पूरी तरह से हाउसफुल था. अब अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपने सोल्ड आउट शो का एक वीडियो डाला. शहनाज गिल ने अपने कंसर्ट में सिल्वर रंग का हाई-स्लिट गाउन पहना हुआ था. जिसमें वह सुपरहॉट लग रही थी. वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए शहनाज ने कैप्शन में लिखा, प्रिय दर्शकों, आने के लिए धन्यवाद, मैं बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही हूं, बिक गया शो लव यू दुबई. क्लिप की शुरुआत शहनाज के मंच पर बैठने से होती है, जब वह कंसर्ट में आए अपने फैंस से बात करती हैं. अपने सभी फैंस के साथ सेल्फी क्लिक करने का वादा करने के बाद, शहनाज़ ने गुरु रंधावा का लेटेस्ट सॉन्ग मून राइज़ गाया. मून राइज गाने के दौरान शहनाज ने यह भी कहा, कई बार दिल तुड़वाने में बड़ा मजा आता है ना, जिसके तुरंत बाद दर्शकों ने कहा, दिल ना तोड़ो. इसके बाद

जाता है. बता दें कि शहनाज गिल हाल ही में इटली के सिसिली में वेकेशन मना रही थी. उन्होंने वहां की कई फोटोज फैंस के साथ शेयर की. बता दें कि शहनाज गिल का नाम किसी का भाई किसी की जान के को-एक्टर राघव जुआल

इसबात का खंडन कर दिया. उन्होंने कहा कि हम सिर्फ अच्छे दोस्त है.

नागा चैतन्य के साथ रिश्ते पर शोभिता धुलिपाला ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला कथित तौर पर नागा चैतन्य को डेट कर रही हैं। सामंथा से अलग होने के बाद नागा चैतन्य और शोभिता के डेटिंग की खबरें फैलने लगीं। दोनों के निजी जीवन पर लगातार ध्यान दिया जाने लगा। हाल ही में एक इंटरव्यू में शोभिता ने बताया कि कैसे इस स्पॉटलाइट से उन्हें कोई परेशानी नहीं है, लेकिन वह चाहती हैं कि लोग उनकी निजी जिंदगी के बजाय उनके काम के बारे में ज्यादा बात करें। हाल ही में दिए इंटरव्यू में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी अफवाहों पर बात करते हुए शोभिता ने कहा कि ऐसी खबरों से उन्हें बिल्कुल भी परेशानी नहीं होती है। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी होगी अगर, दर्शक उनके कामकाजी जीवन के बारे में बात करें न कि उनके निजी मामले के बारे में। उन्होंने कहा कि क्योंकि वह विजाग से हैं, इसलिए उन्होंने इस स्तर तक पहुंचने के लिए हर कदम पर कड़ी मेहनत की है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि अगर आप मुझे देखने जा रहे हैं या मुझे जानते हैं तो मैं चाहूंगी कि आप मुझे मेरी खूबियों, कड़ी मेहनत और कला के लिए जानें, क्योंकि यह कुछ ऐसा है, जो मेरे लिए बहुत कीमती है। मैं कहती हूं कि वे मेरी निजी जिंदगी के बारे में कैसे बात कर सकते हैं? मैं उन्हें बताना चाहती हूं कि मैंने अपने क्राफ्ट पर बहुत मेहनत की है तो कम से कम इसे तो देखो। मैं आसानी से परेशान नहीं होती। इसी इंटरव्यू में उन्होंने अपनी शादी को लेकर भी जवाब दिया। उन्होंने बताया कि उनका होने वाला पति कैसा होना चाहिए और उसमें क्या गुण होने चाहिए। शोभिता ने कहा कि आप जीवन में चाहे कितना भी ऊपर उठ जाएं, आपको विनम्र रहना चाहिए। सादगी, नेक दिल, दूसरों के प्रति दया। हमें यह समझना चाहिए कि यह जीवन बहुत छोटा है और जीवन के हर पल का आनंद लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह किसी ऐसे व्यक्ति को चाहेंगी, जो जमीन से जुड़े हुए हो। जोया अख्तर और रीमा कागती की सीरीज मेड इन हेवन में अपनी मुख्य भूमिका के जरिए लोकप्रियता हासिल करने वाली अभिनेत्री को आखिरी बार पोन्नियिन सेलवन में देखा गया था। अगली बार वह द नाइट मैनेजर पार्ट 2 में दिखाई देंगी, जो आदित्य रॉय कपूर और अनिल कपूर-स्टारर जासूसी थ्रिलर का दूसरा भाग है। यह 30 जून को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

संजय लीला भंसाली 20 साल से कर रहे हैं बैजू बावरा की कहानी पर काम

दूरदर्शी फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली एक ऐसे फिल्म मेकर हैं जो पूरे जुनून के साथ अपने हर प्रोजेक्ट को अंजाम देते हैं ताकि दर्शकों को ऐसा अनुभव मिले, जैसा पहले उन्होंने कभी नहीं किया हो। संजय लीला भंसाली सिनेमा के उन महान लोगों के बीच शुमार हैं जो भारतीय सिनेमा के ताने-बाने के अभिन्न अंग रहे हैं। फिल्ममेकर अपनी बड़ी और शानदार फिल्मों के लिए भी सुपर फेमस हैं। लेकिन वो एक ऐसे फिल्म भी निर्देशक हैं जो अपनी किसी भी फिल्म को सिल्वर स्क्रीन्स पर उतारने से पहले सालों तक उसपर काम करने में यकीन रखते हैं। दिलचस्प बात यह है कि उनका अगला प्रोजेक्ट बैजू बावरा भी पिछले दो दशकों से उनके दिमाग में है, जिससे यह एक लंबे समय से संजोया गया सपना बन गया है जो आखिरकार अब साकार हो रहा है। संजय लीला भंसाली का आखिरी प्रोजेक्ट जिसे उन्होंने इतने लंबे समय तक अपने दिमाग में रखा था, वो बाजीराव मस्तानी थी, एक ऐतिहासिक फिल्म जिसे उन्होंने अपनी रोमांटिक क्लासिक हम दिल दे चुके सनम के ठीक बाद बनाने की कल्पना की थी। तथ्य यह है कि भंसाली के रचनात्मक विचार इतनी लंबे समय में विकसित हो सकते हैं जोकि यह उनके शिल्प के प्रति उनकी कमिटमेंट और डेडिकेशन का एक सबूत है। अब, 20 साल के सोच-विचार और सावधानीपूर्वक योजना के बाद, संजय लीला भंसाली बैजू बावरा को जीवंत करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने इन सालों में फिल्म की हर छोटी से छोटी डिटेल पर पूरा ध्यान लगाकर काम किया है, ये सबजेक्ट भी उनके दिमाग में दृढ़ता के साथ बना रहा है, जो इसके प्रभाव और महत्व की गवाही देता है। जबकि फिल्म से जुड़ी हर खास डिटेल को अभी सीक्रेट रखा गया है, कहा जाता है कि भंसाली की विविध फिल्मोग्राफी में एक और आयाम जोड़ते हुए यह दो सिंगर्स के आसपास घूमने वाली एक पूरी तरह से म्यूजिकल फिल्म की शुरुआत होगी। वहीं प्रशंसक और इंडस्ट्री के अंदरूनी सूत्र समान रूप से इस फिल्म को लेकर तरह तरह के अनुमान लगाते रहे हैं। इसके अलावा बैजू बावरा की कास्टिंग को लेकर ऐसी अफवाहें सामने आ रही है कि फिल्म में पॉपुलर एक्टर रणवीर सिंह और आलिया भट्ट नजर आएंगे। फिल्म के लिए इन अफवाहों और प्रत्याशा को देखते हुए कह सकते है कि यह संजय लीला भंसाली के अब तक के सबसे महत्वाकांक्षी वेंचर्स में से एक के रूप में उभरा है। ऐसे में विस्तार पर उनके ध्यान और शानदार फिल्म बनाने की उनकी क्षमता के साथ, दर्शक एसएलबी बैनर से सिनेमाई चमत्कार से कम की उम्मीद नहीं कर सकते। भारतीय फिल्म मेकिंग की विरासत को संरक्षित करने के लिए एसएलबी के समर्पण ने उन्हें राज कपूर, के आसिफ, महबूब खान, वी शांताराम, गुरु दत्त और कमाल अमरोही जैसे दिग्गज निर्देशकों के बीच जगह दी है। संजय लीला भंसाली असल रूप से भारतीय फिल्म विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं, जो आत्मा को छूने वाली टाइमलेस कहानियों को एक साथ बुनते हैं। जबकि प्रशंसक इससे जुड़ी अधिक जानकारी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, यह साफ है कि बैजू बावरा भारतीय सिनेमा की सबसे अहम फिल्मों में से एक होने का वादा करती है। संजय लीला भंसाली की यह परियोजना जिसपर वो 20 सालों से काम कर रहें है आखिरकार अपने कलात्मक प्रतिभा और स्टोरीटेलिंग की ताकत के साथ दर्शकों को दीवाना करने की राह पर है।

एक्टिंग के बाद संजय दत्त ने मारी क्रिकेट के मैदान में एंट्री

बॉलीवुड के कई सेलेब्स एक्टिंग के अलावा कई बिजनेस में हाथ आजमाते रहते हैं। वहीं अब संजय दत्त ने एक्टिंग के अलावा क्रिकेट के मैदान में भी एंट्री मार दी है। एक्टर ने आगामी जिम्बाब्वे एफ्रो टी-10 लीग में हरारे हरिकेन टीम खरीदी है। संजय दत्त एरीज ग्रुप ऑफ कंपनीज के संस्थापक सोहन रॉय के साथ टीम के संयुक्त मालिक होंगे। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 20 जुलाई से होगी। ज़िम्बाब्वे द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट में कुल पांच टीमें शामिल होंगी, जिसमें- डरबन कलंदर्स, केपटाउन सैम्प आर्मी, बुलावायो ब्रेव्स, जोबर्ग लायंस और हरारे हरिकेन्स मौजूद हैं। जिम एफ्रो टी10 जिम्बाब्वे का पहला ऐसा फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट इवेंट होगा, जो हरारे में होगा। संजय दत्त ने टूर्नामेंट में टीम के सह मालिक बनने पर अपने उत्साह को व्यक्त किया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि हरारे हरिकेन्स टूर्नामेंट अच्छा प्रदर्शन करेगी और जिम्बाब्वे में क्रिकेट फैंस का मनोरंजन करेगी। संजय दत्त ने कहा, भारत में क्रिकेट एक धर्म की तरह है और खेल के सबसे बड़े देशों में से एक है, मुझे लगता है कि यह हमारा कर्तव्य है कि हम खेल को दुनिया के हर कोने में ले जाएं। खेल में ज़िम्बाब्वे का इतिहास अच्छा है और इसके साथ जुड़ना और प्रशंसकों को एक महान समय बिताने में मदद करना कुछ ऐसा है जो वाकई में मुझे खुशी देता है। बता दें कि संजय दत्त कई बिजनेस में हाथ आजमाते रहते हैं। हाल ही उन्होंने एक शराब कंपनी में भी निवेश किया था। इसके अलावा संजय दत्त एक मीडिया हाउस साइबरमीडिया इंडिया लिमिटेड के 1 फीसदी शेयर होल्डर भी है।

हनी सिंह को गोल्डी बरार ने दी जान से मारने की धमकी

हनी सिंह ने कहा मुझे जान से मारने की धमकी मिली है. मुझे और मेरे स्टाफ को गोल्डी बरार की ओर से फोन आए हैं. मैंने सीपी सर से अनुरोध किया है कि मुझे सुरक्षा दी जाए और इसकी जांच की जाए. मैं सचमुच डरा हुआ हूं. अपडेट्स के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मुझसे इस बारे में ज्यादा बात न करने के लिए कहा गया है, क्योंकि इस मामले की जांच की जाएगी. मैंने सबूत दिए हैं. यह मेरे जीवन में मेरे साथ पहली बार हुआ है. लोगों ने हमेशा मुझ पर प्यार बरसाया है. यह पहली बार है कि मुझे ऐसी धमकी मिली है. मेरा पूरा परिवार डरा हुआ है. मौत से कौन नहीं डरता? मैं हमेशा एक चीज से डरता हूं, और वह है मौत. मैंने सुरक्षा मांगी है, कॉल एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से है, उनमें से कुछ कॉल हैं और कुछ वॉयस नोट्स हैं

छह सौ बुजुर्गों को लेकर सफदरजंग से द्वारकाधीश की तीर्थ यात्रा पर रवाना होगी ट्रेन

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना करीब 11 महीने के अंतराल के बाद सोमवार से दोबारा शुरू हो रही है। दिल्ली के 600 बुजुर्गों को लेकर द्वारकाधीश धाम का दर्शन कराने के लिए ट्रेन आज सफदरजंग रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। ट्रेन सोमवार रात 8:15 बजे सफदरजंग रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। श्रद्धालुओं के जत्थे में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हैं। ये श्रद्धालु द्वारकाधीश के अलावा द्वारका और गुजरात के दो ज्योतिर्लिंग सोमनाथ और नागेश्वर धाम के दर्शन करके एक जुलाई को दिल्ली लौटेंगे। जानकारी के अनुसार यह योजना का तीसरा चरण है। इस योजना के तहत पिछली ट्रेन 28 जुलाई, 2022 को जगन्नाथपुरी गई थी, उसके बाद से श्रद्धालु अगली ट्रेन के इंतजार में थे। मार्च में दिल्ली सरकार का बजट पेश होने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की थी कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना जारी रहेगी। दिल्ली के 71 हजार बुजुर्ग अब तक इस मुफ्त तीर्थ यात्रा का लाभ ले चुके हैं।

आईजीआई एयरपोर्ट पर 44 लाख की विदेशी करेंसी सीआईएसएफ ने जब्त की

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की टीम ने 44 लाख की विदेशी करेंसी बरामद की है। जिसे लगेज के अंदर फॉल्स लेयर बनाकर उसके अंदर छिपाकर ले जाने की कोशिश की जा रही थी। सीआईएसएफ के अधिकारियों ने बताया कि जब एक हवाई यात्री आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 डिपार्चर गेट पर पहुंचा तो चेकिंग एरिया में उसके हैंडबैग में डाउटफुल इमेज एक्स रे मशीन में नजर आया। इसके बाद वहां मौजूद सीआईएसएफ की टीम ने फिर उस हवाई यात्री की अलग से जांच करनी शुरू की। इलेक्ट्रॉनिक मशीन से अलग से जांच की और मौके पर कस्टम की टीम को भी बुला लिया।

जब लगेज की बारीकी से जांच की गई तो उसमें से 53200 यूएस डॉलर के अलावा दूसरी कंट्री के भी करेंसी बरामद किए गए जिसकी कीमत भारतीय रुपयों में 44 लाख रुपये बताई जा रही है। सीआईएसएफ ऑफिसर के अनुसार बरामद किए गए विदेशी करेंसी के बारे में हवाई यात्री ने कोई भी वैलिड डॉक्यूमेंट नहीं दिखाया और ना ही जांच में कोई सही जानकारी दी। इसलिए हवाई यात्री को डिटेन किया गया और विदेशी करेंसी को जब्त कर के कस्टम ऑफिसर के हवाले कर दिया गया। अब आगे की छानबीन और जांच कस्टम की टीम करेगी जिससे पूरे मामले का पता चल जाएगा कि या विदेशी करेंसी कहां से लाई गई थी।

विधायक दिलीप पांडे ने मुखर्जी नगर में ड्रेन का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। तिमारपुर के विधायक दिलीप पाण्डेय ने मुखर्जीनगर में ड्रेन का उद्घाटन किया। इससे एरिया में जल भराव की समस्या दूर हो जाएगी। विधायक की यह पहल मानसून के दौरान जलभराव और गंदे पानी की निकासी की समस्या को सुलझाने में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उद्घाटन समारोह के दौरान विधायक दिलीप पाण्डेय ने बताया कि क्षेत्र में गंदे पानी को सीधे पम्प हाउस तक पहुंचाने के लिए बनाये जा रहे इस नाले से अब मुखर्जीनगर, परमानंद और इसके आसपास के सभी इलाकों में न केवल गलियों में होने वाले जलभराव की समस्या समाप्त होगी, बल्कि आवागमन भी आसान होगा।

दिलीप पाण्डेय ने कहा कि केजरीवाल सरकार आगामी मानसून के लिए पूरी तरह तैयार है और बारिश के समय दिल्लीवासियों को होने वाली हर एक समस्या पर हमारी नज़र है।उन्होंने कहा कि हम सदैव दिल्लीवासियों की हर समस्या को समय रहते दूर करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और आने वाले समय में तिमारपुर के विकास के लिए और भी सामर्थ्यपूर्ण कदम उठाएंगे।

कुकी समुदाय के लोगों ने जंतर-मंतर पर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। मणिपुर में बीते 50 दिनों से पुलिस, असम राइफल्स एवं सुरक्षा एजेंसियों की तमाम कोशिशों के बावजूद मैतेई-कुकी समुदाय के बीच जातीय संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस हिंसा के लिए शांति की अपील को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर भी प्रदर्शन किया जा चुका है। जंतर-मंतर पर कभी मैतेई हिंदू समुदाय के लोग प्रदर्शन करते हैं तो कभी कुकी समुदाय के लोग। इसी क्रम में शनिवार को दिल्ली के जंतर मंतर पर मणिपुर में हो रही हिंसा के विरोध में कुकी समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि सरकार इसपर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है और लोग घरों से बेघर हो गए हैं। हजारों की संख्या में लोग मणिपुर से पलायन भी कर चुके हैं। कुकी समुदाय के लोगों ने मुख्यमंत्री वीरेंद्र सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि सिर्फ एक वर्ग को खुश करने के लिए वहां पर हिंसा हो रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर केवल मैतेई लोगों के लिए काम करने का आरोप लगाया। लोगों ने कहा कि उन्होंने कहा कि अगर मणिपुर के मुख्यमंत्री सभी के होते तो यह हिंसा रुक चुकी होती। मैतेई समुदाय लोगों ने कुकी समुदाय के लोगों पर हमला किया। मुख्यमंत्री का चेहरा उजागर हो गया है। सेना, असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस केवल मैतेई लोगों की सुरक्षा के लिए है, लेकिन हिंदी का विरोध करने वाले देशभक्त कैसे हो सकते हैं।

पक्षियों की खरीद-फरोख्त वाली दुकान में छापेमारी, प्रतिबंधित प्रजाति के 19 कछुए और 40 तोते बरामद

नई दिल्ली। उत्तरी पूर्वी दिल्ली जिला पुलिस टीम ने शास्त्री पार्क इलाके में पक्षियों की खरीद-फरोख्त करने वाली दुकान में छापा मारकर प्रतिबंधित प्रजातियों के 19 कछुए और 40 तोते बरामद किए हैं। छापेमारी की भनक लगते ही दुकानदार फरार हो गया। फिलहाल मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश की जा रही है। उत्तर पूर्वी दिल्ली जिला के डीसीपी डॉ जॉय टिर्की ने बताया कि शुक्रवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी के संगठन पीएफए (पीपुल फॉर एनिमल) के एनिमल वेलफेयर ऑफिसर गौरव गुप्ता ने इसकी सूचना दी थी कि शास्त्री पार्क थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित विशेष प्रजाति के कछुए और तोते की बिक्री की जा रही है। शिकायतकर्ता गौरव गुप्ता ने बताया कि वह पीएफए संगठन में पशु कल्याण अधिकारी के रूप में काम कर रहा है। उसने देखा है कि बुलंद मस्जिद शास्त्री पार्क दिल्ली के पास स्थित पक्षियों की खरीद-फरोख्त वाली एक दुकान में कछुए और तोते की कुछ प्रतिबंधित प्रजातियां अवैध रूप से बेची जा रही हैं। इसके बाद एसीपी/डीआईयू की देखरेख में पुलिस इंस्पेक्टर अश्विनी कुंडू,

एसआई सागर यादव, एसआई सत्यवीर और एएसआई जोगिंदर की एक समर्पित टीम का गठन किया गया। टीम ने शिकायतकर्ता और उनकी टीम के साथ छापा मारा। पुलिस की छापेमारी को भांपकर दुकानदार भाग निकला। इस दौरान दुकान की तलाशी लेने पर 19 विशेष प्रजाति के कछुए और 40 तोते बरामद किए गए। डीसीपी ने बताया कि वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972, 11 (1) (आई) पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 और आईपीसी की धारा 429 के तहत शास्त्री पार्क थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। दुकानदार की गिरफ्तारी के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। साथ ही टीम दुकानदार की तलाश में उसके ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। जल्द ही आरोपित दुकानदार को पकड़ लिया जाएगा।

दिल्ली सरकार जल्द ही घरेलू सहायकों के हित में कल्याणकारी योजनाएं लेकर आएगी: राज कुमार आनंद

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में घरेलू कामगारों के अधिकारों को कानूनी दायरे में लाने के विषय पर चर्चा करते हुए अंतरराष्ट्रीय श्रमिक संगठन (इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन) ने कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें दिल्ली सरकार के श्रम मंत्री राज कुमार आनंद बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे और घरेलू कामगारों के ऊपर हो रहे अत्याचारों और उनके अधिकारों के विषय पर अपने विचार प्रकट किए।

आनंद ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कुशल नेतृत्व में दिल्ली में मजदूरों के कल्याण के लिए लगातार काम किया जा रहा है। सीएम अरविंद केजरीवाल का मानना है कि वह मजदूर नहीं निर्माता हैं और देश के भाग्य विधाता हैं। केजरीवाल सरकार ने राजधानी में निर्माण श्रमिकों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और पेंशन को शामिल करते हुए 17 कल्याणकारी योजनाएं बनाई हैं और उन्हें लागू कराया है। दिल्ली सरकार निर्माण श्रमिकों की तरह ही घरेलू कामगारों के लिए भी जल्द ही ऐसी ही कल्याणकारी योजनाएं लेकर आएगी। आगे आनंद ने कहा कि दिल्ली में करीबन पांच लाख घरेलू सहायक कार्य करते हैं, यह राजधानी की कुल श्रमशक्ति का एक बड़ा

हिस्सा हैं। यह कार्यशाला घरेलू सहायकों व उनके हितों में काम करने वालों के लिए बेहद अहम है, क्योंकि इसके माध्यम से हम समाज में घरेलू सहायकों के योगदान को स्वीकार कर उन्हें सम्मान दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह अफसोस की बात है कि अपने महत्वपूर्ण योगदान के बाद भी घरेलू सहायक बहुत खराब हालत में जीवन जीन को मजबूर हैं। इन्हें अकसर कम वेतन पर ज्यादा समय तक काम करना पड़ता है और पर्याप्त सुरक्षित माहौल भी नहीं मिल पाता है। वहीं दिल्ली में श्रमिकों को सबसे अधिक न्यूनतम मजदूरी दी जाती है। दिल्ली सरकार घरेलू सहायकों से जुड़े मुद्दों की स्पष्ट पहचान रखती है उनकी सभी मांगों को पूरी तरह से ध्यान में रखेंगे। केजरीवाल सरकार अंतरराष्ट्रीय संगठनों, सिविल सोसाइटी और घरेलू सहायक यूनियन के साथ मिलकर घरेलू सहायकों की बेहतरी के लिए काम करेंगी।

कूड़े के ढेर के बाहर मिला एक महिला का शव

नई दिल्ली। सब्जी मंडी थाना इलाके में एक अस्पताल के निकट कूड़े के ढेर के बाहर एक महिला का शव मिलने से इलाके में हडक़ंप मच गया। सूचना

मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को महिला के पास से कोई दस्तावेज नहीं मिले है, जिससे उसकी पहचान हो सके। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सुरक्षित शवगृह में रखवा दिया है। महिला की उम्र करीब 40 साल बताई जा रही है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर महिला की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस अधिकारी ने मुताबिक एक राहगीर ने सब्जी मंडी थाने में फोन कर सूचना दी कि एक अज्ञात महिला का शव कूड़े के ढेर में पड़ा हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंची और उसे अस्पताल लेकर गई। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला के शरीर किसी भी तरह के चोट के निशान नहीं है। पुलिस संदेह जता रही है कि वह नशे की आदी थी। पुलिस घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है।

राज्यमंत्री ने किया आईवीएफ कैंप का उद्घाटन, 136 ने कराई जांच

नई दिल्ली। नेहरू नगर स्थित गणेश अस्पताल में निशुल्क आईवीएफ कैंप का आयोजन किया गया। प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने दीप प्रज्वलित कर कैंप का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अस्पताल के एमडी डॉक्टर प्रतीक शर्मा ने राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार का स्वागत किया। कैंप में 136 महिलाओं की जांच की गई।

राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा गणेश अस्पताल अपने नाम को सार्थक कर रहा है। कहा कि यह आमजन का अस्पताल है जिसमें निसंतान दंपतियों की गोद भर उनके जीवन में खुशियां भर रहा है। कुछ परिस्थितियों में महिला व पुरुषों में कुछ कमी होने के कारण संतान से वंचित होते है, इसका इलाज गणेश अस्पताल की टेस्ट ट्यूब बेबी विशेषज्ञ डॉक्टर अर्चना शर्मा द्वारा बखूबी कई वर्षों से किया जा रहा है। उन्होंने अब तक ना जाने कितने दंपत्ति की सुनी गोद भरके कई टूटे परिवारों को भी बचाने का कार्य किया है। डॉक्टर अर्चना शर्मा ने

बताया की आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और गलत खानपान की वजह से बांझपन की समस्या बढ़ रही हैं। बच्चा न होने का कारण महिला और पुरुष में से किसी को भी समस्या हो सकती हैं, जिसका उपचार हमारी अनुभवी टीम द्वारा किया जाता हैं। जिसे वह स्वयं लीड करती है।

उन्होंने बताया की कैंप में करीब 136 मरीजों की जांच की गई और इस दौरान कई टेस्ट भी निशुल्क किए गए। इस अवसर पर गणेश अस्पताल के जीएम एडमिन संजय केसरवानी, जीएम एचआर बिराज सिंह, जीएम मार्केटिंग अभय श्रीवास्तव, विजया सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

लूटपाट के दौरान बदमाशों ने नुकीली चीज से किया हमला

नई दिल्ली। शास्त्री पार्क इलाके में बदमाशों ने एक कारोबारी से लूटपाट के दौरान उसके सिर पर नुकीली चीज से हमला कर दिया। घायल मुकेश को इलाज के लिए अस्पताल ले जाएगा। पुलिस पीड़ित के बयान के आधार पर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक मुकेश कुमार परिवार के साथ शाहदरा इलाके में रहते हैं और उनका खजूर इलाके में बैग बनाने का काम है। शाम है वह अपनी स्कूटी से घर आ रहे थे जैसे ही वह शास्त्री पार्क फ्लाईओवर के पास पहुंचे तभी तो लडक़ों ने उन्हें रोक लिया और उनके पीछे से किसी नुकीली चीज से हमला किया बदमाशों ने उनकी स्कूटी की चाबी, बैग लूट और उनकी जेब में कुछ नकदी लूटकर फरार हो गए। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस बयान के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

विपक्षी एकता पर आम आदमी पार्टी के बयान नुकसान पहुंचाने वाले, केजरीवाल का सच उजागर : अजय माकन

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय माकन ने कांग्रेस पर तंज कसे जाने को लेकर आम आदमी पार्टी पर जवाबी हमला बोला और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाया कि विपक्षी एकता पर उनके बयान इसे नुकसान पहुंचाने वाले और भाजपा के साथ राजनीतिक सौदेबाजी के लिए सोच-समझ कर उठाया गया कदम है।

उन्होने कहा कि अरविंद केजरीवाल केंद्र के अध्यादेश पर कांग्रेस से मदद मांगते हैं, तो दूसरी ओर राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट सहित कांग्रेस के नेताओं का मजाक उड़ाते हैं। अजय माकन ने ट्विटर पर वीडियो जारी कर कहा, हमारे गठबंधन पर पूर्व शर्तें लगा रहे हैं जबकि उनके मुख्य प्रवक्ता विपक्षी दल की बैठक के दिन सार्वजनिक रूप से हमारी पार्टी और नेताओं का अपमान करते हैं।

अजय माकन ने पूछा, खुल्लम खुल्ला आलोचना करो, फिर समर्थन मांगो, ऐसे गठबंधन होता है क्या। उन्होने कहा, हाल के हफ्तों में केजरीवाल की राजनीतिक पैंतरेबाजी ने हैरान कर दिया है। मैं बता दूं कि इस पूरी कवायद के पीछे भ्रष्टाचार के आरोप में जेल से बचने की उनकी कोशिश है, उनके दो साथी पहले ही जेल में हैं। उन्होंने कहा

कि संसद, दिल्ली विधानसभा या अन्य जगहों पर आम आदमी पार्टी की पहले की गई गतिविधियां भाजपा के साथ उसके गुप्त गठबंधन को बयां करती हैं। आप भाजपा की मदद करने और कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने के लिए कई राज्यों में चुनाव लडने् के लिए भ्रष्टाचार के पैसे का इस्तेमाल कर रही है। अजय माकन ने बोले, केजरीवाल के विश्वासघात दुनिया ने देखे हैं, प्रशांत भूषण, योगेन्द्र यादव और अन्ना आंदोलन के नेताओं से पता कर लो। आपके (केजरीवाल के) व्यापक भ्रष्टाचार तथा गोवा, गुजरात, पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड और असम में कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने और सिर्फ भाजपा की मदद करने के लिए गलत तरीके से जुटाये गए धन का इस्तेमाल किये जाने को कभी भुलाया नहीं जाएगा। अजय माकन ने आरोप लगाया कि आम आदमी होने की आड़ में केजरीवाल ने दिल्लीवालों को प्रभावित किया और अपने लिए महल बनाने के लिए सरकारी खज़ाने से 171 करोड़ रुपये का इस्तेमाल किया। अब सच्चाई को उजागर हो गई अब केजरीवाल आम आदमी के पैरोकार या भ्रष्टाचार के खिलाफ योद्धा नहीं रहे खुद भ्रष्टाचार में डूबे हुए, अपने महल में एक राजा की तरह एक शानदार जीवन जी रहे हैं।

लग्जरी गाडिय़ां चोरी करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। शाहदरा जिला के एएटीएस ने मेरठ में छापेमारी कर हाईटेक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी रियाजुद्दीन और असलम है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चार लग्जरी गाडिय़ां, 12 नकली चाबियां, स्ट्रांग मैगनेट, कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य सामान बरामद किया है।

शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त रोहित मीणा ने बताया कि जगतपुरी और जीटीबी एंक्लेव इलाके से बदमाशों ने दो लग्जरी गाडय़िां चोरी कर ली थी। लोकल पुलिस के अलावा जिले का एएटीएस भी मामले की जांच कर रहा था। टीम ने करीब 100 सीसीटीवी फुटेज खंगाले और आरोपियों की पहचान हुई। टीम ने एक आरोपी रियाजुद्दीन को मेरठ के भूड़-बराल इलाके से दबोच लिया। उसके पास से चोरी की एक ब्रेजा कार जो जगतपुरी इलाके से चोरी थी बरामद हुई। बाद में दूसरे आरोपी असलम को खोड़ा कालोनी से दबोच लिया गया। दोनों की निशानदेही पर कुल चार कारें बरामद हुई। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया है कि पिछले आठ-दस सालों में आरोपी सैकड़ों गाडिय़ां

दिल्ली-एनसीआर से चोरी कर चुके हैं। रियाजुद्दीन के खिलाफ पहले से 11 और असलम के खिलाफ चार मामले दर्ज हैं। इनकी गिरफ्तारी से पुलिस ने दिल्ली में वाहन चोरी के चार मामले सुलझाए हैं। बाद में इसकी दूसरे साथी को दिल्ली के नजदीक खोड़ा कालोनी गाजियाबाद से दबोचा गया। दोनों अपने उपकरणों से चंद ही मिनटों में किसी भी गाड़ी का लॉक खोलकर उसे चोरी कर लेते थे।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान भूड़-बराल, मेरठ, यूपी निवासी रियाजुद्दीन (34) और दीपक विहार, खोड़ा कालोनी, गाजियाबाद निवासी असलम (34) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चार लग्जरी गाडय़िां, 12 नकली चाबियां, स्ट्रांग मैगनेट, कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण औश्र अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया है कि पिछले आठ-दस सालों में आरोपी सैकड़ों गाडय़िां दिल्ली-एनसीआर से चोरी कर चुके हैं। रियाजुद्दीन के खिलाफ पहले से 11 और असलम के खिलाफ चार मामले दर्ज हैं। इनकी गिरफ्तारी से पुलिस ने दिल्ली में वाहन चोरी के चार मामले सुलझाए हैं1

केंद्रीय टीम ने हीट वेव को लेकर सरकारी अस्पतालों में व्यवस्थाओं को जांचा

नई दिल्ली। जिले के सरकारी अस्पतालों में हीट वेव को लेकर लगातार व्यवस्थाएं बनाने पर जोर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को दिल्ली से आई टीम ने जिले में हीट वेव से बचाव और उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। टीम ने अस्पतालों में तैयार किए गए हीट वेव के मद्देनजर तैयार किए गए वार्ड का भी निरीक्षण किया। टीम ने कहा कि जरूरत होने पर एंबुलेंस में कोल्ड बॉक्स का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

केंद्रीय टीम में एनसीडीसी दिल्ली के उप निदेशक डॉ. शिव प्रसाद गैजाला और एनडीएमए से डॉ. स्वाति शामिल थीं।

टीम ने पहले सीएमओ कार्यालय में हीट वेव को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए किए जा रहे प्रयासों और अस्पतालों में की गई व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। सीएमओ डॉ. भवतोष शंखधर, जिला सर्विसलांस अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता, जिला एपिडिमियोलोजिस्ट डॉ. शिवि अग्रवाल एवं जिला सलाहकार वैभव पांडेय द्वारा हीट वेव को लेकर की गई तैयारियों से अवगत कराया। बताया कि जिले में बैनर, होर्डिंग और पोस्टरों के जरिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही विभाग की ओर से एडवाइजरी भी जारी की गई है।

इसके साथ ही सर्विलांस और पब्लिक एड्रेस सिस्टम के जरिए भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। जिला अस्पतालों में 10-10 बेड और

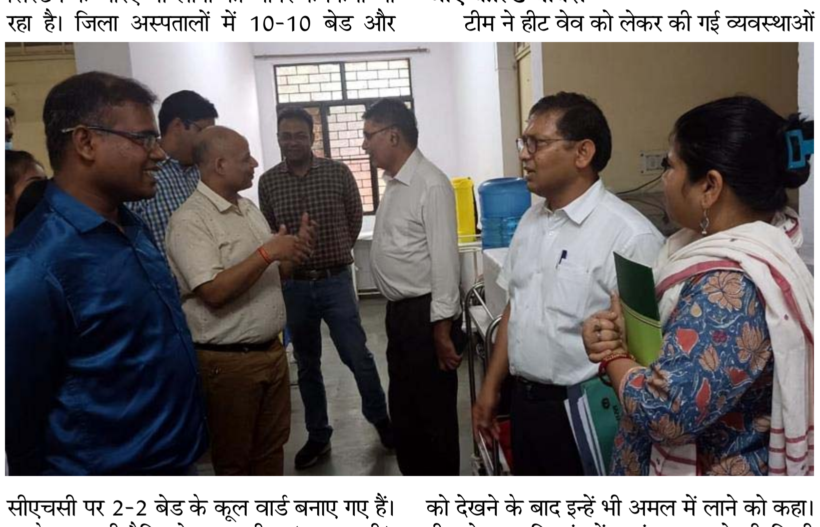

सीएचसी पर 2-2 बेड के कूल वार्ड बनाए गए हैं। इसके साथ ही रैपिड रेस्पान्स टीम (आरआरटी) का भी गठन किया गया है। अस्पतालों और इमरजेंसी में सभी अलर्ट मोड पर रखा गया है। टीम ने एमएमजी अस्पताल पहुंचकर कूल वार्ड का निरीक्षण किया। व्यवस्थाएं दुरूस्त मिलने पर टीम ने विभाग के कार्यों को संतोषजनक बताया।

त्वरित उपचार के लिए एंबुलेंस में रखा जाए कोल्ड बॉक्स

टीम ने हीट वेव को लेकर की गई व्यवस्थाओं को देखने के बाद इन्हें भी अमल में लाने को कहा। टीम ने कहा कि एंबुलेंस संचालक को भी किसी के अचानक तेज पसीना आने के बाद बेहोश होने और डायरिया जैसे लक्षण वाले मरीजों की सूचना मिलने पर तुरंत उन्हें एंबुलेंस के जरिए अस्पताल तक पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, मरीजों को त्वरित उपचार के लिए एम्बुलेंस में भी कोल्ड बॉक्स रखा जाना मददगार होगा।

नोएडा में युवती के घर में घुसकर अश्लील हरकत, विरोध पर हत्या का प्रयास

नोएडा। थाना कासना में एक युवती ने 5 लोगों को नामित करते हुए मारपीट कर अश्लील हरकत करने और जान से मारने की धमकी देने तथा हत्या के प्रयास करने सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया है। थाना कासना के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि पीड़िता ने सुमित उर्फ काशी, शिवम उर्फ डिब्बा, कालो, ज्योति तथा मनीष के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि कोर्ट के आदेश पर धारा 452, 354, 323 ,504 ,506 तथा 307 के तहत मुकदमा दर्ज हुआ है। उन्होने बताया कि आरोपी उसके घर में घुस गए तथा इन लोगों ने उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की नियत से उसका गला दबाया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी पक्ष दबंग किस्म के हैं, तथा ये लोग मादक पदार्थ बेचने के धंधे में भी सम्मिलित हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोएडा में बाइक बोट के निदेशकों के खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज

नोएडा। लखनऊ के रहने वाले एक व्यक्ति ने ो थाना दादरी में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि बाइक टैक्सी चलाने के नाम पर गर्वित इन्नोवेटिव प्रमोटर्स लिमिटेड के सीएमडी और एजेंट ने उनसे 4,37,700 रूपए की ठगी कर ली है। थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक सुजीत उपाध्याय ने बताया कि लखनऊ के रहने वाले मुसद्दीक आरिफ खान ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वर्ष 2018 में आलोक शुक्ला नामक व्यक्ति लखनऊ स्थित उनके आवास पर आया तथा उसने बाइक बोट कंपनी में बाइक सेवा प्रदान करने की योजना के बारे में बताया तथा कहा कि एक मुश्त धनराशि जमा करने पर उन्हें अच्छा लाभांश दिया जाएगा। उक्त व्यक्ति ने गर्वित इन्नोवेटिव प्रमोटर्स लिमिटेड कंपनी के सीएमडी संजय भाटी से फोन पर बात करवाई तथा स्कीम के बारे में बताया।

उसे बताया गया कि 4,34,700 रूपए निवेश करने पर प्रतिमा उसे मोटा लाभांश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पीड़ित का आरोप है कि उसने पैसे जमा करा दिए, लेकिन उन्हें लाभांश नहीं मिला। उन्होंने कंपनी के लोगों से संपर्क किया तो एजेंट आलोक शुक्ला ने बताया कि कंपनी की स्कीम बदल गई है। आपका पैसा एक वर्ष में दोगुना करके दे दिया जाएगा। उसके एवज में कंपनी के लोगों ने उन्हें चेक भी दिया, जो बाद में बाउंस हो गया। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

(हिन्दी दैनिक) खबर दृष्टिकोण
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कश्यप द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित एवं 551घ/1316, निकट शराफत जनरल स्टोर, आजाद नगर, आलमबाग, लखनऊ- 226005 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- आरती कश्यप, Mob. : 9555229060,9838938570 Email- khabardrishtikon@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. NO.: UPHIN/2021/82210